राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 17 अप्रैल 2025 वर्ष-8,अंक-57 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

छत्तीसगढ़ में सुबह-सुबह हुई ठांय-ठांय, सुरक्षाबलों ने मार गिराए दो हार्डकोर नक्सली

कोंडागांव। जिले में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में दो नक्सली मारे गए हैं। दोनों पर कुल 13 लाख रुपए का इनाम घोषित था। पूर्वी बस्तर डिवीजन के डिविजनल कमेटी सदस्य हलदर पर आठ लाख रुपए और एरिया कमेटी सदस्य रामे पर पांच लाख रुपए का इनाम था। उन्होंने बताया कि कोंडागांव और नारायणपुर जिले की सीमा में स्थित किलम -बरगुम क्षेत्र के जंगलों में नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना पर कोंडागांव 'जिला रिजर्व गार्ड' और 'बस्तर फाइटर्स' के दल को मंगलवार को नक्सल विरोधी अभियान पर रवाना किया गया था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अभियान के दौरान मंगलवार देर शाम सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में अब तक दो नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ स्थल से एक एके-47 राइफल, अन्य हथियार, विस्फोटक और नक्सली सामान बरामद किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ अभियान जारी है इससे पहले मंगलवार को मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में पांच लाख रुपये के इनाम नक्सली ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में 34 साल के रूपेश मंडावी उर्फ सुखदेव ने पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। उन्होंने बताया कि नक्सली ने माओवादियों की 'खोखली' और 'अमानवीय विचारधारा तथा नक्सली संगठन के भीतर बढ़ते मतभेदों से निराश होकर तथा राज्य सरकार की नई आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर आत्मसमर्पण करने का फैसला किया है।

पैसे देकर बाहरी लोगों को बुलाया, बंगाल में हिंसा के लिए बीजेपी जिम्मेदार

सीएम ममता ने कहा- कई जगह वक्फ संपत्तियों पर हिंदू परिवार भी रहते हैं

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने एक कार्यक्रम में बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने राज्य में भड़की हिंसा के लिए भी बीजेपी को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि पैसा देकर बाहरी लोगों को बुलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वक्फ की संपत्तियों में हिंदुओं को सोशल वेलफेयर के लिए वक्फ ने दान दिया है। आज कई जगहों पर वक्फ संपत्तियों पर हिंदू परिवार रहते हैं। उन्होंने बीजेपी पर स्टेट वक्फ बोर्ड तोड़ने और उसका नियंत्रण आपने हाथों में लेने का आरोप लगाया। उन्होंने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि देश में आपकी सिंगल मैजोरिटी नहीं है, फिर यह कैसे कर रहे हैं?

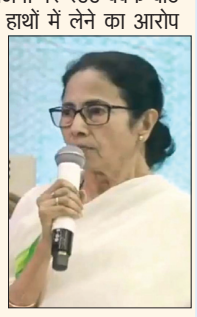

उन्होंने बीजेपी के मनमानी के लिए चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार को भी घेरते हुए कहा कि आप दोनों क्यों चुप हैं? क्या आपने उन्हें वोट नहीं दिया? अगर वक्फ में बदलाव करना था, तो संविधान संशोधन क्यों नहीं किया? आपने चालाकी से बिल पास कराया। ममता ने बीजेपी पर सांप्रदायिक तनाव भड़काने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने रामनवमी के दिन दंगे भड़काने की योजना बनाई थी, लेकिन जनता ने इसे नाकाम कर दिया। उन्होंने कहा कि हर समाज में कुछ गद्दार होते हैं जो पैसे लेकर अपनी ही जड़ें काटते हैं। अगर आपको विरोध करना है, तो इंडोर स्टेडियम में करें, बाहर नहीं, क्योंकि वहां बीजेपी वाले हिंदू-मुस्लिम तनाव भड़काएंगे। ममता ने केंद्र सरकार और गृह मंत्री अमित शाह पर भी तंज कसा। उन्होंने पूछा कि मोदी सरकार को इतनी जल्दी क्यों है? बांग्लादेश की स्थिति का क्या पता? आप यूनुस के साथ चुपके-चुपके बैठक करते हैं, आपका योजना क्या है? उन्होंने शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि आप कभी पीएम नहीं बनेंगे। मोदीजी जब पीएम नहीं रहेंगे, तो आपको नीचे आना पड़ेगा। मोदीजी से कहूंगी कि इस व्यक्ति को नियंत्रित करें, जो सभी एजेंसियों को अपने कब्जे में रखे हुए है। भड़की हिंसा को लेकर उन्होंने कहा कि ये सुनियोजित सांप्रदायिक दंगे हैं।

उर्दू भारत में ही जन्मी भाषा, इसे किसी धर्म से जोड़ना है गलत

-सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया ऐतिहासिक फैसला, याचिका को किया खारिज

अकोला। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के अकोला जिले में पातुर नगर परिषद के साइनबोर्ड पर उर्दू भाषा के इस्तेमाल को बरकरार रखते हुए एक अहम फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि भाषा संस्कृति का हिस्सा है और इसे लोगों को बांटने का कारण नहीं बनना चाहिए। कोर्ट ने उर्दू को गंगा-जमुनी तहजीब की बेहतरीन मिसाल बताते हुए इसे भारत में जन्मी भाषा करार दिया है। जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने पातुर नगर परिषद की पूर्व पार्षद वर्षाताई संजय बागड़े की याचिका को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में भारत की भाषाई विविधता की सराहना की और कहा कि हमें अपने पूर्वाग्रहों को त्यागकर हर भाषा से दोस्ती करनी चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर भारत का विभाजन न हुआ होता, तो हिंदी और उर्दू का मिश्रित रूप हिंदुस्तानी शायद देश की राष्ट्रीय भाषा होती। याचिकाकर्ता ने साइनबोर्ड पर उर्दू भाषा के इस्तेमाल को चुनौती दी थी और दावा किया था कि महाराष्ट्र स्थानीय प्राधिकरण अधिनियम, 2022 के तहत केवल मराठी का इस्तेमाल होना चाहिए। पीठ ने कहा कि भाषा किसी धर्म की नहीं होती, वह किसी समुदाय, क्षेत्र और लोगों की होती है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस धूलिया ने कहा कि उर्दू भारत में जन्मी भाषा है और इसे किसी धर्म से जोड़ना गलत है। यह गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक है, जो उत्तरी और मध्य भारत की समन्वित सांस्कृतिक विरासत को दर्शाती है। उन्होंने साफ कहा कि उर्दू और मराठी दोनों का संविधान के तहत समान दर्जा है। कोर्ट ने कहा कि यदि स्थानीय लोग उर्दू से परिचित हैं, तो साइनबोर्ड पर इसका इस्तेमाल करने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि उर्दू को अक्सर मुस्लिम समुदाय से जोड़कर देखा जाता है, जो कि वास्तविकता से कोसों दूर है।

ऐसे तो वक्फ बोर्ड पर कब्जा हो जाएगा मीलॉर्ड

- कलेक्टर की पावर, हिंदुओं की एंट्री पर बरसे कपिल सिब्बल

कहा-वक्फ पर हिंदुओं की एंट्री आर्टिकल 26 का उल्लंघन

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ दायर 70 से अधिक याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। मुस्लिम पक्ष की ओर से दलीलें देते हुए कपिल सिब्बल ने ऐक्ट पर सवाल उठाए हैं और कहा कि वक्फ बोर्ड में हिंदुओं की एंट्री कर दी गई है, यह संविधान के आर्टिकल 26 का उल्लंघन है।

उन्होंने कहा कि आर्टिकल 26 धार्मिक संस्थानों के संचालन की स्वायत्तता देता है। अब नया वक्फ ऐक्ट उस स्वायत्तता को छीनने वाला है। कपिल सिब्बल ने कहा कि अब तक वक्फ काउंसिल और बोर्ड के मेंबर मुसलमान ही होते थे, लेकिन अब हिंदुओं की भी इनमें एंट्री होगी। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि आपकी दिक्कत क्या है। कपिल सिब्बल ने कहा कि यह तो संसद में बनाए कानून के जरिए मूलभूत अधिकार छीनने जैसा है। चीफ जस्टिस ने यह भी कहा कि कुल 2 पदेन सदस्य ही गैर-मुसलमान हो सकते हैं। इस पर कपिल सिब्बल ने कहा,नहीं-नहीं, ऐसा नहीं है।

300 साल पुरानी संपत्ति की भी मांगेंगे वक्फ डीड कहां से लाएंगे

सीनियर वकील ने यह भी कहा कि नया ऐक्ट कहते हैं कि किसी संपत्ति को वक्फ तभी माना जाएगा, जब उसकी वक्फ डीड हो। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि परेशानी क्या है। सिब्बल ने कहा कि वक्फ बाई यूजर की अवधारणा है। मान लीजिए कि मेरे पास संपत्ति है और मेरे कोई संतान नहीं है। फिर मुझे रजिस्ट्रेशन कराने की क्या जरूरत है। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि रजिस्ट्रेशन से तो हेल्प ही मिलेगी। इस पर कपिल सिब्बल ने कहा कि वक्फ बाई यूजर तो अब खत्म कर दिया गया है। अयोध्या के फैसले से यह पता चलता है। इस पर जस्टिस विश्वनाथन ने कहा कि फर्जी दावों को रोकने के लिए वक्फ डीड की बात कही गई है। इस पर सिब्बल ने कहा कि यह इतना आसान नहीं है। वक्फ की संपत्तियां सैकड़ों साल पुरानी हैं। वे तो 300 साल पुरानी संपत्ति की भी वक्फ डीड मांग लेंगे।

शिवराज चौहान ने ब्राजील के कृषि व्यापार समुदाय के सदस्यों से किया विचार-विमर्श

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ब्रिक्स देशों के कृषि मंत्रियों के साथ बैठक में भाग लेने के लिए ब्राजील के दौरे पर हैं। आज उन्होंने साओ पाउलो में ब्राजील के कृषि व्यापार समुदाय के सदस्यों के साथ खाद्य प्रसंस्करण और बायो फ्यूल आदि विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। शिवराज सिंह चौहान ने एक्स पर जानकारी दी कि ब्राजील में ब्रिक्स कृषि मंत्रियों की बैठक में भाग लेने पहुंचा हूं। इस दौरान आज साओ पाउलो में ब्राजील के कृषि व्यापार समुदाय के सदस्यों से संवाद हुआ। इस दौरान कृषि व्यापार, खाद्य प्रसंस्करण, बायोफ्यूल, बायोएनर्जी, तकनीकी नवाचार व आपूर्ति श्रृंखला के एकीकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा हुई है। केंद्रीय मंत्री ने विश्वास जताया कि दोनों देशों के परस्पर सहयोग और संयुक्त प्रयासों से न केवल हमारे किसान सशक्त तथा समृद्ध होंगे, बल्कि वैश्विक खाद्य सुरक्षा को भी नई दिशा मिलेगी।

कांग्रेस ने सोनिया, राहुल के खिलाफ आरोपपत्र को लेकर प्रदर्शन किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने 'नेशनल हेराल्ड' मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा पार्टी के शीर्ष नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किए जाने के विरोध में बुधवार को यहां प्रदर्शन किया और केंद्र सरकार पर प्रतिशोध की राजनीति का आरोप लगाया। पार्टी के कई नेता और कार्यकर्ता बुधवार को सुबह ही पार्टी के पुराने मुख्यालय 24 अकबर रोड पहुंच गए और अपने नेताओं के पक्ष और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने आरोप लगाया कि यह सब राजनीति से प्रेरित मामला है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, 'यह राजनीति से प्रेरित मामला है। हमें न्यायिक प्रणाली पर भरोसा है। हम इसे कानूनी रूप से लड़ेंगे। राहुल गांधी और सोनिया गांधी को जानबूझकर निशाना बनाया गया है।' पायलट ने कहा कि यह सब विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए किया गया हैद्य

पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने दावा किया, 'नेशनल हेराल्ड, गांधी परिवार और कांग्रेस पार्टी से 1947 से पहले अंग्रेज़ चिढ़ते थे, आज 2025 में आरएसएस के लोग चिढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार और कांग्रेस पार्टी तब भी मज़लूमों की आवाज़ थी और आज भी है। खेड़ा ने कहा, 'जिस गैर लाभकारी कंपनी में एक रुपये का भी लेन देन नहीं हुआ, कोई संपत्ति हस्तांतरित नहीं की गई, उस पर धन शोधन का मामला दर्ज करना मोदी के डर का परिचायक है।'

ईडी ने नेशनल हेराल्ड मामले में धन शोधन के आरोप में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य के खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल किया है। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने नौ अप्रैल को दाखिल आरोप-पत्र के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर पड़ताल की और सुनवाई की अगली तारीख 25 अप्रैल निर्धारित की।

पीएम मोदी का जम्मू-कश्मीर दौरा स्थगित, मौसम को बताया वजह

19 को कटरा-श्रीनगर वंदे भारत ट्रेन को दिखाने वाले थे हरी झंडी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी की 19 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर यात्रा स्थगित हो गई है। इस दौरे में पीएम मोदी कटरा से श्रीनगर तक वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने वाले थे। यह जानकारी केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने दी।

इस यात्रा को स्थगित करने का फैसला खराब मौसम की चेतावनी बताया जा रहा है। भारतीय मौसम विभाग के श्रीनगर कार्यालय ने 18 और 19 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के ज्यादातर हिस्सों में भारी बारिश की संभावना जताई है।

पीएम के दौरे को लेकर राज्य प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों ने बड़े पैमाने पर तैयारी की थी। 272 किलोमीटर लंबी उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लाइन पर पहले ही मॉक ड्रिल और ट्रायल रन किया जा चुका है।

मंगलवार को इस खंड पर ट्रेन का सफल ट्रायल रन किया गया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षा बलों ने सघन तलाशी और कॉम्बिंग ऑपरेशन शुरू किए थे। विशेष सतर्कता कठुआ, उधमपुर, रियासी और रामबन जिलों में बरती जा रही थी। इसके अलावा पुंछ जिले के लस्साना के जंगलों में भी तलाशी अभियान जारी है।

कश्मीर जोन के पुलिस महानिरीक्षक ने श्रीनगर में एक उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की, जिसमें पीएम मोदी की यात्रा और आगामी अमरनाथ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की। यात्रा के दौरान दो वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें- एक श्रीनगर से कटरा और दूसरी कटरा से श्रीनगर तक चलाने की योजना थी। ये ट्रेनें उद्घाटन के दिन से शुरू होनी थीं। अब पीएम मोदी की यात्रा स्थगित हो गई है, तो उद्घाटन कार्यक्रम की नई तारीख का इंतजार है।

सूत्रों के मुताबिक मौसम अनुकूल होने के बाद पीएम मोदी का दौरा फिर तय किया जाएगा। गौरतलब है कि रेलवे सुरक्षा आयुक्त ने जनवरी में कटरा और कश्मीर के बीच ट्रेन सेवा को मंजूरी दी थी। वंदे भारत एक्सप्रेस से जम्मू और श्रीनगर के बीच यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा और इस क्षेत्र के लिए आधुनिक एवं कुशल रेल सेवा उपलब्ध होगी। इस ऐतिहासिक ट्रेन सेवा के शुरू होने के साथ ही कश्मीर तक सीधी रेल संपर्क सुविधा की लंबे समय से की जा रही मांग पूरी हो जाएगी। वर्तमान में घाटी में केवल संगलदान एवं बारामूला के बीच और कटरा से देश भर के गंतव्यों के लिए ट्रेन चलती हैं।

जस्टिस बीआर गवई होंगे देश के अगले चीफ जस्टिस

- 14 मई से संभालेंगे सुप्रीम कोर्ट का काम,संजीव खन्ना ने की सिफारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने अपने उत्तराधिकारी के रूप में जस्टिस बीआर गवई के नाम की आधिकारिक सिफारिश की है। उनके नाम को मंजूरी के लिए केंद्रीय कानून मंत्रालय को भेज दिया गया है। इसके साथ ही जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई के भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश बनना तय हो गया है। परंपरा है कि मौजूदा सीजेआई अपने उत्तराधिकारी के नाम की सिफारिश तभी करते हैं, जब उन्हें कानून मंत्रालय से ऐसा करने का आग्रह किया जाता है। मौजूदा सीजेआई संजीव खन्ना का कार्यकाल 13 मई को खत्म हो रहा है। सीजेआई खन्ना के बाद वरिष्ठता सूची में जस्टिस गवई का नाम है। इसलिए जस्टिस खन्ना ने उनका नाम आगे बढ़ाया है।

हालांकि, उनका कार्यकाल सिर्फ 7 महीने का होगा। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर दिए प्रोफाइल के मुताबिक जस्टिस गवई 24 मई 2019 को सुप्रीम कोर्ट जज के

रूप में प्रमोट हुए थे। उनके रिटायरमेंट की तारीख 23 नवंबर 2025 है। जस्टिस गवई लगभग छह महीने तक भारत के चीफ जस्टिस रहेंगे। जस्टिस गवई नवंबर में रिटायर्ड होने वाले हैं। जस्टिस केजी बालकृष्णन के बाद वे चीफ जस्टिस का पद संभालने वाले दूसरे दलित होंगे, जिन्हें 2007 में देश के शीर्ष न्यायिक पद पर प्रोमोट किया गया था। जस्टिस गवई राज्य में हाई कोर्ट के पूर्व महाधिवक्ता और जस्टिस बैरिस्टर राजा भोंसले के साथ काम किया। इसके बाद उन्होंने 1987 से 1990 तक बॉम्बे हाई कोर्ट में स्वतंत्र रूप से प्रैक्टिस की। उसके बाद, उन्होंने मुख्य रूप से संवैधानिक कानून और प्रशासनिक कानून से संबंधित मामलों में बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच के समक्ष प्रैक्टिस की। जस्टिस गवई अगस्त 1992 में उन्हें बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर पीठ में सहायक सरकारी वकील और अतिरिक्त लोक अभियोजक नियुक्त किया गया।

ट्रम्प ने चीन पर टैरिफ बढ़ाकर किया 245 प्रतिशत

-5 दिन पहले अमेरिकी सामान पर 125 प्रतिशत टैरिफ लगाया था

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ वॉर और आगे बढ़ गया है। अमेरिका ने अब चीन पर 100 प्रतिशत और टैरिफ लगा दिया है। इसके साथ अमेरिका इंपोर्ट होने वाले चीनी सामान पर कुल टैरिफ 245 प्रतिशत हो गया है।

चीन ने 11 अप्रैल को अमेरिकी सामान पर 125 प्रतिशत टैरिफ लगाया था, जिसके जवाब में ट्रम्प ने नया टैरिफ लगाया है। इससे पहले चीन ने कहा था कि अब वह अमेरिका की तरफ से लगाए जाने वाले किसी भी अतिरिक्त टैरिफ का जवाब नहीं देगा।

अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर से नहीं डरते

अमेरिका की तरफ से नए टैरिफ के ऐलान के बाद चीन ने कहा कि हम अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर करने से नहीं डरते। चीन ने दोबारा कहा कि अमेरिका को बातचीत करनी चाहिए। इससे पहले डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा था कि चीन को बातचीत की शुरुआत करनी होगी। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि अगर अमेरिका सच में बातचीत को डायलॉग और समझौते के जरिए मुद्दे को सुलझाना चाहता है, तो उसे बेमतलब का दबाव बनाना, डराना और ब्लैकमेल करना बंद करना चाहिए और चीन के साथ बराबरी, सम्मान और आपसी हित के आधार पर बात करनी चाहिए। लिन जियान ने पत्रकारों से कहा कि 245 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ

के तहत अलग-अलग टैक्स रेट क्या होगा ये आप अमेरिका से ही पूछिए। ये टैरिफ वॉर अमेरिका ने शुरू किया है, हमने नहीं। हम सिर्फ अमेरिका के एक्शन का जवाब दे रहे हैं। हमारे कदम पूरी तरह तार्किक और कानूनी हैं। हम अपने देश के अधिकारों और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में ईमानदारी बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं।

चीन पर सख्ती का अमेरिका ने बताया यह कारण

ट्रंप प्रशासन के दस्तावेज में यह भी उल्लेख किया गया है कि चीन ने कुछ महीने पहले अमेरिका को गैलियम, जर्मेनियम, एंटीमनी और अन्य प्रमुख उच्च-तकनीकी सामग्रियों के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था, जिनके सैन्य उपयोग की संभावना थी। इसी समाह चीन छह भारी दुर्लभ रेयर अर्थ मेटल के साथ-साथ रेयर अर्थ चुंबकों के निर्यात को भी निलंबित कर दिया था। व्हाइट हाउस ने दावा किया कि इस तरह की कार्रवाई दुनिया भर में ऑटोमेकर्स, एयरोस्पेस निर्माताओं, सेमीकंडक्टर कंपनियों और सैन्य ठेकेदारों के लिए महत्वपूर्ण घटकों की आपूर्ति रोकने के लिए की गई।

अमेरिका के 245 प्रतिशत टैरिफ पर चीन ने दी यह प्रतिक्रिया

चीन ने अमेरिका की ओर से लगाए गए 245 प्रतिशत टैरिफ पर पर प्रतिक्रिया देते हुए कि कहा कि ट्रंप प्रशासन टैरिफ के आंकड़ों का स्पष्ट ब्यौरा दे। चीन के आयात पर अमेरिका ने 245 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का एलान किया है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि अमेरिकी पक्ष को विशिष्ट कर दर के आंकड़े के बारे में बताना चाहिए। बुधवार को एक प्रेस ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए, लिन ने कहा कि चीन ने टैरिफ मुद्दे पर अपनी स्थिति को बार-बार साफ किया है। उन्होंने कहा कि टैरिफ युद्ध अमेरिका की ओर से शुरू किया गया था और बीजिंग ने अपने वैध अधिकारों और हितों और अंतरराष्ट्रीय निष्पक्षता और न्याय की रक्षा के लिए जवाबी कदम उठाए हैं। ये कदम पूरी तरह से उचित और कानूनी हैं। उन्होंने कहा कि टैरिफ और व्यापार युद्धों में कोई विजेता नहीं होता है। उन्होंने कहा कि चीन इन युद्धों को लडना नहीं चाहता है, लेकिन इनसे डरता भी नहीं है। उन्होंने हाथ मिलाने और बाधाओं को दूर करने के लिए चीन की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

नड्डा के घर सीक्रेट बैठक, पीएम मोदी की राष्ट्रपति से मुलाकात.. क्या कुछ बड़ा करने की तैयारी में सरकार

-सियासी गलियारों में अटकलों का बाजार गर्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में इन दिनों नए वक्फ कानून को लेकर राजनीति जारी है। संसद से पारित नए कानून को लेकर विरोध प्रदर्शन की आग में जहां एक ओर पश्चिम बंगाल के कई इलाके हिंसा की आग में जल रहे हैं। वहीं कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को सुनवाई शुरु हो गई। इस बीच दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ बीजेपी के तमाम नेताओं की हालिया गतिविधि ने सभी का ध्यान खींचा है। अटकलें है कि क्या देश में कुछ बड़ा होने वाला है।

दरअसल बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के आवास पर बीती रात एक हाई-प्रोफाइल बैठक ने इन बातों को हवा दी। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और अश्विनी वैष्णव जैसे दिग्गज नेता शामिल हुए। बीजेपी के शीर्ष नेताओं की यह बैठक करीब ढाई घंटे तक चली।

सूत्रों के मुताबिक, बैठक में कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। शाह और सिंह जैसे नेताओं की मौजूदगी इसका संकेत देती है कि चर्चा में राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा से जुड़े मुद्दे भी शामिल हो सकते हैं। वहीं, पीयूष गोयल और अश्विनी वैष्णव का होना आर्थिक और बुनियादी ढांचे से जुड़े मसलों की ओर इशारा करता है। कुछ जानकारों का कहना है कि बैठक मंत्रिमंडल विस्तार या फेरबदल की संभावना को भी बल दे रही है। इसी बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति भवन पहुंचकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। यह मुलाकात भी करीब एक घंटे तक चली। हालांकि, मुलाकात का आधिकारिक एजेंडा सामने नहीं आया है। कुछ का मानना है कि यह एक औपचारिक मुलाकात हो सकती है, लेकिन नड्डा के आवास पर चल रही बैठक के साथ इस मुलाकात को जोड़कर देखा जा रहा है। क्या मुलाकात किसी बड़े संवैधानिक या प्रशासनिक फैसले से जुड़ी है? क्या मोदी सरकार कोई बड़ा कदम उठाने की तैयारी में है?

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तेजस्वी-राहुल मुलाकात में भी नहीं बनी बातः महागठबंधन में पेंच अभी फंसा हुआ है!

संतोष कुमार पाठक

बिहार में कांग्रेस नेताओं की हालत इतनी दयनीय हो गई थी कि हाल ही में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे के साथ दिल्ली में हुई बैठक में कई नेताओं ने यह शिकायत भी की कि आरजेडी के नेता कांग्रेस नेताओं को सम्मान नहीं देते हैं।

बिहार की राजनीति में 90 के दशक में लालू यादव के ताकतवर होने के साथ ही कांग्रेस समेत अन्य कई राजनीतिक दलों के बुरे दिन शुरू हो गए थे। बीजेपी के समर्थन से सरकार चला रहे लालू यादव ने वर्ष 1990 में लालकृष्ण आडवाणी को गिरफ्तार करा कर सबको चौंका दिया था। उस समय आडवाणी को जिस अधिकारी (आरके सिंह) ने गिरफ्तार किया था, उन्हें नरेंद्र मोदी ने अपनी सरकार में केंद्रीय मंत्री भी बनाया था। वहीं सरकार को बनाए रखने के लिए लालू यादव ने अनगिनत बार कम्युनिस्ट पार्टी के विधायकों को तोड़ने का काम किया। कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दल को तो लालू यादव ने बिहार में अपनी बी टीम बनाकर छोड़ दिया था। लालू यादव सीधे कांग्रेस आलाकमान से डील किया करते थे और बिहार कांग्रेस के नेताओं को हमेशा लालू यादव से डर कर रहना पड़ता था।

बिहार में कांग्रेस नेताओं की हालत इतनी दयनीय हो गई थी कि हाल ही में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे के साथ दिल्ली में हुई बैठक में कई नेताओं ने यह शिकायत भी की कि आरजेडी के नेता कांग्रेस नेताओं को सम्मान नहीं देते हैं। उस समय राहुल गांधी ने कहा था कि सम्मान मांगने से नहीं मिलता, बल्कि सम्मान हासिल करना पड़ता है। लेकिन राहुल गांधी के मिशन बिहार से काफी कुछ बदलता हुआ नजर आ रहा है।

बिहार के लगातार दौरे पर जाकर राहुल गांधी ने राज्य की राजनीति को समझने का प्रयास किया। अपने करीबी नेता कृष्णा अल्लावरु को बिहार कांग्रेस का प्रभारी बनाकर भेजा। लालू यादव के करीबी माने जाने वाले अखिलेश प्रसाद सिंह को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाकर एक दलित नेता राजेश राम को प्रदेश अध्यक्ष बनाया। लालू यादव और तेजस्वी यादव की नाराजगी के बावजूद कन्हैया कुमार को 'पलायन रोको, नौकरी दो' यात्रा का चेहरा बनकर बिहार की सड़कों पर उतरने का मौका दिया। आने वाले दिनों में लालू यादव और तेजस्वी यादव की नाराजगी के बावजूद पप्पू यादव को भी बड़ी भूमिका देने की खबरें निकल कर सामने आ रही है।

कांग्रेस के आक्रामक तेवरों को देखते हुए लालू यादव काफी हद तक असहज हो गए। उन्होंने अपने बेटे तेजस्वी यादव (जिन्हें वे पहले ही मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर चुके हैं) को पटना में 17 अप्रैल को होने वाली महागठबंधन की बैठक से पहले ही राहुल गांधी के साथ सब कुछ तय करने के लिए आनन-फानन में दिल्ली भेजा। मंगलवार को तेजस्वी यादव ने कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर राहुल गांधी के साथ बैठक की। लेकिन राहुल गांधी ने तेजस्वी यादव को कांग्रेस की अहमियत बताने के लिए इसको एक बड़ी बैठक बना दिया। इस बैठक में कांग्रेस की तरफ से राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी के अलावा राष्ट्रीय संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु, बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम और गुरदीप सिंह सप्पल भी मौजूद रहे। वहीं तेजस्वी यादव अपने साथ पार्टी के राज्यसभा सांसद मनोज झा और संजय यादव को लेकर गए थे।

लेकिन तेजस्वी यादव की यह दिल्ली यात्रा उनके लिए उतनी लाभदायक नहीं रही, जितनी वह उम्मीद कर रहे थे। कांग्रेस ने आरजेडी के ऑफर (यानी 50 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने) को सिरे से नकार दिया और पिछली बार की तरह 70 सीटों की मांग रख दी। इतना ही नहीं कांग्रेस की तरफ से यह भी कहा गया कि पिछली बार की तरह कांग्रेस कमजोर और हारने वाली सीटों को स्वीकार नहीं करेगी। सीट को लेकर विस्तार से चर्चा पटना की बैठक में होगी। वहीं मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर भी कांग्रेस ने फिलहाल अपने पत्ते खोलने से साफ इनकार कर दिया है।

दिल्ली की बैठक बेनतीजा रही, यह बैठक के बाद आए बयानों से भी साफ पता चलता है। बड़ी उम्मीदों के साथ दिल्ली आए तेजस्वी यादव ने बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि, ₹पता नहीं आप लोग क्यों चिंतित रहते हैं चेहरे के लिए। यह हम लोगों की चीजें हैं। हम लोगों की बातचीत के बाद सारी चीजें सामने आ जाएंगी। इसमें आप लोगों को परेशान होने की कोई आवश्यकता नहीं है।₹

मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर पत्रकारों ने यही सवाल बैठक से बाहर आए कांग्रेस के नेताओं से भी पूछा। कृष्णा अल्लावरु ने भी साफ और स्पष्ट शब्दों में कह दिया कि, अगर पहली मुलाकात में ही सब कुछ तय हो गया होता तो वे इसकी जानकारी जरूर देते। मतलब साफ है कि गठबंधन में अभी काफी पेंच फंसा हुआ है। कांग्रेस इस बार झुकने को तैयार नहीं है।

बिहार में इसी साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा के चुनाव होने है। आरजेडी चाहती थी कि पहले कांग्रेस के साथ सारे मुद्दे तय कर लिए जाएं, फिर गठबंधन में शामिल अन्य राजनीतिक दलों के साथ बैठक की जाए। लेकिन देश की राजधानी दिल्ली में खरगे के आवास पर हुई पहले दौर की बैठक में कई मुद्दों पर सहमति बनाने की कोशिश कामयाब नहीं हो पाई।

आपको बता दें कि, 2020 के पिछले विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे के तहत आरजेडी 144, कांग्रेस 70, सीपीआई (एमएल) 19, सीपीआई 6 और सीपीआई (एम) 4 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। विपक्षी गठबंधन के प्रदर्शन की बात करें तो, आरजेडी को 75, कांग्रेस को 19, सीपीआई(एमएल) को 12 और सीपीआई एवं सीपीआई(एम) को 2-2 सीटों पर जीत हासिल हुई थी।

आरजेडी कांग्रेस को 70 में से सिर्फ 19 सीटें जीतने की याद दिलाते हुए, इस बार सिर्फ 50 सीटों पर लड़ने की बात कह रहा है। जबकि कांग्रेस 70 से कम पर मानने को तैयार नहीं है। ऐसे में अब सबकी निगाहें, 17 अप्रैल को पटना में होने वाली महागठबंधन की बैठक पर टिक गई है। कांग्रेस सीटों की संख्या और सीटों के नाम के ऐलान के साथ ही उपमुख्यमंत्री के पद पर भी अड़ गई है। आरजेडी जब तक इन मुद्दों पर कांग्रेस की बात नहीं मान लेती है, तब तक कांग्रेस भी मुख्यमंत्री पद को लेकर अपने पत्ते खोलने को तैयार नहीं है। इसके साथ ही कांग्रेस इस बार एक साझा कार्यक्रम के आधार पर चुनाव में जाना चाहती है।

संपादकीय

सरकार को चुनौती

भगोड़े हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी को बेल्जियम में गिरफ्तार कर लिया गया। चोकसी और उसके भतीजे नीरव मोदी पर पंजाब नैशनल बैंक से तकरीबन साढ़े तेरह हजार करोड़ रुपयों के गबन का आरोप है। मोदी अभी लंदन की जेल में है और भारत प्रत्यर्पित किए जाने के खिलाफ कानूनी जंग लड़ रहा है। इस घोटाले में उसकी पत्नी एमी और भाई निशाल भी मुख्य अभियुक्त हैं। चोकसी मुंबई की अदालत में हलफनामा दे कर भारत आने में अक्षमता जाहिर कर चुका है। वह कैंसर का मरीज है, जिसका इलाज बेल्जियम में चल रहा है। भारतीय एजेंसियां प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई के साथ मिल कर प्रत्यर्पण का प्रयास कर रही हैं। बैंक ने 2018 में पहली बार मोदी, चोकसी और अन्य अधिकारियों के खिलाफ 280 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाया था। जांच के बाद यह देश का सबसे बड़ा बैंकिंग घोटाला निकला। इसमें बैंक अधिकारियों की मिलीभगत भी पाई गई। हालांकि मोदीकाल में होने वाले बैंक घोटालों में यह अकेला नहीं है। सरकारी दस्तावेज के अनुसार 2012-16 के दरम्यान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को बाइस हजार करोड़ रुपये से अधिक का चूना लगाया जा चुका है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के 429, आईसीआईसीआई के करीब 455, स्टैंर्डड बैंक के 244 और एचडीएफसी बैंक के 237 के करीब धोखाधड़ी के मामले पकड़े जाने की पुष्टि हुई है। मोदी के इस घोटाले के बाद पीएनबी ने अपने बीस कर्मचारियों को निलंबित भी किया था। बैंकों के इस गोरखधंधे में बैंककर्मियों की मिली-भगत पकड़ी गई है। इसी दरम्यान देश से भाग चुके आर्थिक अपराधी विजय मल्या पर भी बैंकों को साढ़े नौ हजार करोड़ रुपये का चूना लगाने के खिलाफ चार्जशीट फाइल की गई थी। कहने में दोष नहीं है कि प्रत्यर्पण संधि के बावजूद कानूनी प्रक्रिया बेहद जटिल होती है, और आरोपियों को स्वदेश लाने में सालों लग जाते हैं। चोकसी का मामला भी अभी फेडरल पब्लिक जस्टिस और फॉरेन अफेयर्स की निगरानी में होगा। सरकार किस हद तक दोषी को वापस लाने की कवायद करती है, यह तो वक्त ही बताएगा। धोखाधड़ी के इस धन की वसूली और सजा देने में लगने वाले समय की चर्चा अभी बेमानी है क्योंकि सार्वजनिक बैंकों में इतने बड़े आर्थिक घोटालों में सरकार की भूमिका भी संदिग्ध ही पाई जाती रही है। भ्रष्टाचार पर प्रहार करने की बातें करने वाले सत्ताधारी दल को इसे चुनौती की तरह देखना चाहिए।

सूक्ति

कष्ट ही तो वह प्रेरक शक्ति है जो मनुष्य को कसौटी पर परखती है और आगे बढ़ाती है।
– वीर सावरकर
उत्तरदायित्व में महान बल होता है, जहाँ कहीं उत्तरदायित्व होता है, वहीं विकास होता है।
– दामोदर सातवलेकर

चिंतन-मनन

प्रेम और सहयोग का नाम है परिवार

पारिवारिक सदस्यों के त्याग, सहयोग, स्वच्छता, प्रेम, संतुष्टि व व्यसनमुक्ति से ही परिवार संयुक्त और समृद्धिशाली बनता है। वे सौभाग्यशाली हैं जो संयुक्त परिवार में रह रहे हैं तथा जिन्हें माता -पिता का सान्निध्य प्राप्त हो रहा है। विश्व बंधुत्व की बात करने वालों को पहले अपने परिवार में बंधुत्व बनाए रखने के लिए प्रयत्न करना चाहिए। आज छोटी-छोटी बातों को लेकर परिवार टूट रहे हैं। हम अधिकारों की बजाए एक-दूसरे के हितों का ध्यान रखेंगे, तभी हमारे परिवार खुशहाल और सुदृढ़ होंगे।

एक माता-पिता अपने पाँच-पाँच बच्चों को पाल पोसकर बड़ा करके योग्य बना देते हैं जबकि पाँच-पाँच बच्चे बुढ़ापे में अपने एक माता-पिता को संभालने से कतराते हैं। आज हम जितने बूढ़े दादा-दादी के प्रति लापरवाह हैं यदि हमारे बचपन में वे हमारे प्रति इतने ही लापरवाह होते तो हमारी क्या दुर्गति हो गई होती। इस बात को युवा पीढ़ी को अच्छी तरह ध्यान रखना चाहिए। परिवार में ब्याह कर आई नई बहू को चाहिए कि जितने उम्र का पति उसे मिला है कम से कम उतने साल तो सास-ससुर का फर्ज मानकर उन्हें निभा देना चाहिए। इस पीढ़ी को व्यसनमुक्त होकर अपने माता-पिता की सेवा करने, उनके प्रणाम करने के तरीको को जीवन में अपनाना चाहिए। जीवन में सदाचार को अपना कर हमें अपने विचारों को बदलना होगा। विचार जीवन का प्रतिबिंब है। संतों की संगति से अच्छे विचार आते हैं। विचार अच्छे होना हमारी जागरूकता को दशार्ता है। हमारे विचार हमारे जीवन का परिचय देते हैं। रुपया-पैसे का लालच छोड़कर हमें जीवन में धार्मिक आराधना करते रहना चाहिए। जिससे हमारा जीवन और हमारे परिवार का जीवन सार्थक होगा।

ज़िंदगी मंच पर थी, मौत ने पर्दा गिरा दिया!

सोनम लववंशी

हर दिन के उजाले में हम जीवन का उत्सव मनाते हैं, पर हमें यह अहसास तक नहीं कि मृत्यु अब हमारी परछाई से भी तेज रफ्तार से हमारे करीब आ रही है। महाराष्ट्र के धाराशिव में मंच पर अचानक गिरी वर्षा खरात की मौत कोई अकेली घटना नहीं है, यह उस अदृश्य महामारी की गूंज है जो कोविड के बाद हमारे समाज में मौन पांव पसार रही है। सड़कों पर चलते, खेलते, नाचते, बोलते – हम जिन्दगी के सामान्य क्षणों को जीते हुए जैसे मौत से एक अनदेखा समझौता कर बैठे हैं। विडंबना यह है कि एक असामान्य परिस्थिति को भी हम सामान्य मानने लगे हैं। कोरोना वायरस ने केवल शरीर पर वार नहीं किया, उसने समाज की मानसिकता और सरकार की प्राथमिकताओं पर भी गहरा घाव किया है। कोरोना के बाद की यह अचानक गिरने, धड़कन थम जाने वाली घटनाएँ वास्तव में पोस्ट कोविड सिंड्रोम का विकराल चेहरा हैं। मेडिकल साइंस के अनुसार, कोविड के संक्रमण ने शरीर के अंदर सूक्ष्म रक्त वाहिनियों में थक्के बनाने की प्रवृत्ति को बढ़ा दिया। यह स्थिति कई बार बिना किसी पूर्व लक्षण के जानलेवा साबित हो रही है। हार्ट अटैक, कार्डियक अरेस्ट, माइक्रोथ्रोम्बस, ब्रेन स्ट्रोक – ये सब एकदम से हमला कर रहे हैं और अक्सर इतने तेजी से कि चिकित्सा सहायता भी समय पर नहीं पहुंच पा रही।

भारत में कोविड के बाद कार्डियक मौतों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के आंकड़े बताते हैं कि 2020 से 2024 के बीच अचानक कार्डियक अरेस्ट के मामलों में 28 प्रतिशत तक इजाफा हुआ है। 30 वर्ष से कम उम्र के युवाओं में यह वृद्धि 15 प्रतिशत के करीब है। लेकिन यह आंकड़े अखबार के किसी कोने में दबे रह जाते हैं, उन पर न तो नीतिगत बहस होती है, न ही कोई राष्ट्रीय आपात चेतावनी जारी होती है। आखिर क्यों? हकीकत यह है कि सरकार और प्रशासन महामारी के बाद इस स्वास्थ्य आपातकाल को लेकर उतने सतर्क नहीं हैं, जितनी गंभीरता की आवश्यकता है। सार्वजनिक स्थलों पर इमरजेंसी मेडिकल सुविधाओं का अभाव, प्रशिक्षित मेडिकल स्टाफ की कमी, और तत्काल जीवनरक्षक उपकरणों स्वचालित बाह्य डिफिब्रिलेटर (एईडी मशीनों) की अनुपलब्धता हमारी व्यवस्था की ढुलमुल मानसिकता का प्रमाण हैं। किसी समारोह, कॉलेज फंक्शन या सार्वजनिक कार्यक्रम में सुरक्षा का मतलब केवल भगदड़ रोकने तक सीमित कर दिया गया है, स्वास्थ्य संबंधी आकस्मिकताओं के लिए तैयारियां अब भी हास्यास्पद रूप से अपर्याप्त हैं, और समस्या केवल चिकित्सा व्यवस्था तक सीमित नहीं है। हमारे समाज की सामूहिक चेतना पर भी प्रश्नचिन्ह है। महामारी के बाद लोग जैसे स्वास्थ्य को लेकर उदासीन हो गए हैं। अनियंत्रित खानपान, बढ़ता मानसिक तनाव, जीवनशैली में असंतुलन शरीर को अंदर से खोखला कर रहे हैं। अफसोस यह है कि स्वास्थ्य जांच, जो जीवन रक्षक सिद्ध हो सकती है, उसे हम आज भी या तो अनावश्यक खर्च समझते हैं या टालते रहते हैं।

मीडिया, जो समाज का चौथा स्तंभ कहलाता है, वह भी इन खबरों को मात्र सनसनी बनाकर छोड़ देता है। वीडियो वायरल होते हैं, चंद घंटों तक चर्चा होती है, फिर सबकुछ भुला दिया जाता है। सवाल यह है कि क्या हमारी संवेदना इतनी कमजोर हो गई है कि एक युवा लड़की का मंच पर गिरकर मर जाना भी केवल एक वायरल क्लिप बन कर रह जाए? ऐसे में समय आ गया है कि हम सामूहिक जागरूकता का अभियान छेड़ें। सरकार को चाहिए कि वह कोविड पश्चात स्वास्थ्य प्रभावों पर राष्ट्रीय स्तर पर शोध प्रकल्प आरंभ करे और उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक करे। स्कूलों, कॉलेजों, दफ्तरों, और सार्वजनिक स्थलों पर इमरजेंसी मेडिकल किट और प्रशिक्षित कर्मियों की अनिवार्यता हो। हर व्यक्ति के लिए वार्षिक स्वास्थ्य जांच को प्राथमिकता दी जाए, खासकर हृदय और रक्त प्रवाह से जुड़ी बीमारियों की जांच।

यह केवल एक स्वास्थ्य का मामला नहीं है, यह समाज की नैतिक जिम्मेदारी भी है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि हम एक ऐसी साइलेंट महामारी के बीच जी रहे हैं, जिसे अगर हमने गंभीरता से नहीं लिया, तो हर दिन किसी मंच से, किसी सड़क पर, किसी दफ्तर में – जीवन का यह दीपक यूं ही बुझता रहेगा। मौत अब अप्रत्याशित नहीं रही, वह हमारे दरवाजे पर दस्तक दे रही है। फर्क बस इतना है कि हम उसकी आहट को सुनना चाहें या अनसुना कर दें। यह चुनाव हमारा है, लेकिन याद रखिए – यह चूक केवल हमारी नहीं, पूरे समाज की कीमत पर भारी पड़ेगी।

विनिर्माण क्षेत्र : मिले-जुले प्रयासों की जरूरत

गिरीश पाण्डे

भारत का विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) क्षेत्र वैश्विक स्तर पर तेजी से उभर रहा है। इसकी स्थिति में निरंतर सुधार देखा जा रहा है। वैश्विक विनिर्माण जोखिम सूचकांक-2021 में भारत ने अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए दूसरा स्थान प्राप्त किया जबकि चीन पहले स्थान पर रहा।

इस रैंकिंग से पता चलता है कि अमेरिका और एशिया-प्रशांत क्षेत्र की तुलना में मैन्युफैक्चर्स भारत को पसंद कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि यह इंडेक्स यूरोप, अमेरिका तथा एशिया-पैसेफिक (एपीएसी) के 47 देशों में ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग के लिए आकषर्क या प्रॉफिटेबल डेस्टिनेशन की रैंकिंग करता है।

वर्तमान में विनिर्माण क्षेत्र देश के सकल घरेलू उत्पाद में 17% और 27.3 मिलियन से अधिक श्रमिकों के साथ देश की आर्थिक वृद्धि में अभिन्न स्तंभ के रूप में उभर रहा है। राष्ट्रीय विनिर्माण नीति (एनएमपी) के अनुसार, भारत का लक्ष्य 2025 तक अर्थव्यवस्था के उत्पादन का 25% विनिर्माण से प्राप्त करना है। भारत में 2030 तक 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के सामान निर्यात करने की क्षमता है, और इस प्रकार यह प्रमुख वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने की राह पर है। 'मेक इन इंडिया', 'प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना', और 'उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना' जैसी नीतियों ने विनिर्माण क्षेत्र को सशक्त किया है।

सरकार ने विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए अन्य बहुत-सी योजनाएं भी बनाई हैं। इस क्षेत्र में विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए कई विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) भी स्थापित किए हैं। घरेलू विनिर्माण ईकोसिस्टम बनाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग महत्त्वपूर्ण है, इसके लोकलाइजेशन के लिए नये सिरे से स्कीम बनाई जा रही है। इससे चीनी प्रतिस्पर्धियों की तुलना में स्थानीय निमार्ताओं की प्रतिस्पर्धात्मकता में संभावित रूप से सुधार करने में मदद मिलेगी। ग्लोबलाइज्ड सप्लाई चेन और बढ़े हुए भू-राजनीतिक जोखिमों की दुनिया में उनकी बारगेनिंग पावर भी बढ़ेगी। विनिर्माण क्षेत्र में कच्चे पदार्थ को मूल्यवान उत्पाद में बदला जाता है। यह क्षेत्र विशेष रूप से श्रम आधारित है। इसमें मशीनरी, औजार और श्रम का इस्तेमाल किया जाता है। मगर विगत वर्षो में इसकी गति अपेक्षाकृत धीमी रही है।

विनिर्माण क्षेत्र में यद्यपि उत्पादन बढ़ा है, लेकिन विश्लेषक इसे नाकाफी बताते हैं। उनका मानना है कि बुनियादी ढांचे का अभाव, कुशल श्रम की कमी और ऋण प्राप्त करने की कठिनाइयां, व्यापार नीति में निरंतरता का अभाव और जटिल कानूनी प्रावधानों तथा शैक्षणिक एवं कौशल व्यवस्था की अपर्याप्तता आदि सभी इसको प्रभावित करते हैं। जमीन अधिग्रहण से लेकर बिजली पर आने वाले खर्च और तमाम मंजूरियां हासिल करने में लगने वाले वक्त से लेकर माल ढुलाई (लॉजिस्टिक) की लागत और कर विवाद आदि के कारण भारत देसी-विदेशी विनिर्माण कंपनियों के लिए सही जगह नहीं बन पाया है। यह क्षेत्र वैश्विक मांग में कमी और चीन जैसे देशों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा से भी प्रभावित हुआ है।

चीन दुनिया में सबसे बड़ी विनिर्माण एवं व्यापारिक शक्ति बन चुका है। चीन 1 लाख करोड़ डॉलर से अधिक व्यापार अधिशेष (ऐसी स्थिति जब कोई देश आयात से अधिक निर्यात करता है) की स्थिति में है, जो बेमिसाल आंकड़ा है। मगर ट्रंप के सत्ता में दुबारा लौटने के बाद जिस प्रकार से चीन के साथ उसका टैरिफ वॉर चल रहा है, उसके मद्देनजर बड़ा सवाल यह भी खड़ा होता है कि चीन के उत्पादों का पश्चिमी देशों के बाजार में पहुंचना बंद हो जाएगा तो वे कहां जाएंगे? चीन तो इन उत्पादों का उत्पादन बंद नहीं करेगा क्योंकि यह उसकी अर्थव्यवस्था के लिए घातक होगा और अपस्फीति का जोखिम बढ़ जाएगा।

लिहाजा, चीन की अधिकांश कंपनियों के लिए निर्यात प्राथमिकता रहेगी। चीन से ये उत्पाद भारत जैसी विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में धकेले जाएंगे। ऐसे में विकासशील देशों के लिए जोखिम यह है कि चीन में तैयार उत्पाद उनके बाजारों में आने से वे अपना औद्योगिक ताना-बाना सुरक्षित रखने और आकार एवं दक्षता बढ़ाने के लिए संघर्ष करेंगे। इस खतरे की आशंका अधिक है कि चीन इन देशों में स्थानीय औद्योगिक आधार को कमजोर कर देगा जिससे वे आकार, लागत एवं तकनीक के मोर्चे पर चीन की औद्योगिक ताकत का मुकाबला नहीं कर पाएंगे। इसलिए हमें चीन से आने वाली वस्तुओं से निपटने की रणनीति तैयार करने और बेहतरीन एवं उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद तैयार करने के लिए अपने उद्योगों को सतर्क करना होगा और औद्योगिक गतिविधियों में कमी आने से रोकने और आपूर्ति व्यवस्था सुरक्षित रखने के लिए जरूरी उपाय करने होंगे।

यह भी गौर करने योग्य है कि अभी दूरसंचार सुविधाएं मुख्य रूप से बड़े शहरों तक ही सीमित हैं। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए ऋण तक अनुकूल पहुंच की कमी और कार्यशील पूंजी की उच्च लागत भी एक बड़ी बाधा बनी हुई है। इसके अतिरिक्त, कमजोर या खराब आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन से इस क्षेत्र की लागत में वृद्धि होती है। विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सरकार, उद्योग जगत, व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थानों आदि सभी हितधारकों के स्तर से मिले-जुले प्रयासों की आवश्यकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रुपया बढ़त के साथ खुला

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया सात पैसे की बढ़त के साथ ही 85.64 पर खुला। वहीं गत दिवस रुपया 33 पैसे की गिरावट के साथ ही 85.77 रुपये पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी की निकासी के बावजूद कमजोर अमेरिकी मुद्रा ने स्थानीय मुद्रा को बल दिया। उन्होंने रुपये की मजबूती का श्रेय अमेरिकी प्रशासन के भारत पर अतिरिक्त 26 फीसदी शुल्क को नौ जुलाई तक टालने को भी दिया।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.85 प्रति डॉलर पर मजबूती के साथ खुला और शुरुआती कारोबार में 85.71 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 39 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया शुक्रवार को 58 पैसे की जोरदार बढ़त के साथ ही 86.10 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। आंबेडकर जयंती के अवसर पर सोमवार को विदेशी मुद्रा बाजार बंद थे। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 फीसदी उछला लेकिन 100 से नीचे 99.46 पर ही रहा।

सोने और चांदी में तेजी

नई दिल्ली। घरेल बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी रही। आज सुबह सोने की कीमतें 94,000 के स्तर से ऊपर पहुंच गयी। एमसीएक्स पर सोना 0.93 फीसदी बढ़कर 94,320 रुपए प्रति 10 ग्राम जबकि चांदी 0.16 फीसदी उछलकर 94,921 रुपए प्रति किग्रा पर पहुंच गयीं। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने की कीमतें 50 रुपए बढ़कर 96,450 रुपए प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है। वहीं सोमवार को सोना 50 रुपए नीचे आकर 96,400 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं इसका पिछला बंद भाव 95,950 रुपए प्रति 10 ग्राम था। इस बीच चांदी की कीमत 2,500 रुपये बढ़कर 97,500 रुपए प्रति किलोग्राम पहुंच गयीं। वहीं सोमवार को चांदी 500 रुपए नीचे आकर 95,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। विश्व स्तर पर सोना 13.67 डॉलर करीब 0.43 फीसदी बढ़कर 3,224.60 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 33 पैसे की गिरावट के साथ ही 85.77 रुपये पर बंद हुआ। रुपया आज शुरुआती कारोबार में ही 39 पैसे की बढ़त के साथ 85.71 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी की निकासी के बावजूद कमजोर अमेरिकी मुद्रा ने स्थानीय मुद्रा को बल दिया। उन्होंने रुपये की मजबूती का श्रेय अमेरिकी प्रशासन के भारत पर अतिरिक्त 26 फीसदी शुल्क को नौ जुलाई तक टालने को भी दिया।अं तरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.85 प्रति डॉलर पर मजबूती के साथ खुला और शुरुआती कारोबार में 85.71 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 39 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया शुक्रवार को 58 पैसे की जोरदार बढ़त के साथ 86.10 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। आंबेडकर जयंती के अवसर पर सोमवार को विदेशी मुद्रा बाजार बंद थे। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 फीसदी उछला लेकिन 100 से नीचे 99.46 पर ही रहा।

एईटीएल को पीजीवीसीएल से मिली दो बिजली आपूर्ति परियोजनाएं

नई दिल्ली। अद्वैत एनर्जी ट्रांजिशन्स लिमिटेड (एईटीएल) ने कहा कि उसे पश्चिम गुजरात विज कंपनी लिमिटेड (पीजीवीसीएल) से दो बिजली आपूर्ति परियोजनाएं हो सिल हुई है। कंपनी ने बयान में कहा कि उसे दो प्रमुख बिजली आपूर्ति परियोजनाओं के लिए एल1 (सबसे कम बोली लगाने वाला) के तौर पर चुना गया। इसमें पीजीवीसीएल के नेटवर्क के भीतर दो महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए 11 केवी (किलोवोल्ट) मध्यम वोल्टेज कवर कंडक्टर तथा उसके सहायक उपकरण की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण व उसे चालू करना शामिल है। एईटीएल बिजली पारेषण, दूरसंचार अवसंरचना व ऊर्जा परिवर्तन समाधान क्षेत्र की अग्रणी कंपनी है।

वित्त वर्ष में रेपो दर घटकर 5.5 फीसदी रहेगी, मार्च में मुद्रास्फीति 3.3 फीसदी रही

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ब्याज दरों में कटौती शुरू कर दी है। एक रिपोर्ट में बुधवार को कहा गया है कि जून और अगस्त की आरबीआई की नीति बैठक में ब्याज दरों में 25-25 आधार अंकों की कटौती की उम्मीद है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया है कि इस वित्त वर्ष में रेपो दर घटकर 5.5 फीसदी रह जाएगी।

इसके अलावा, उम्मीद की जा रही है कि आसान लिक्विडिटी की स्थिति बनी रहेगी और ब्याज दरों में कटौती का लाभ लोगों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।

मार्च में सीपीआई मुद्रास्फीति 3.3 फीसदी रही, जो बाजार की 3.5 फीसदी की उम्मीद से कम है। खाद्य पदार्थों की कीमतें लगातार तीसरे महीने भी अपस्फीति में रहीं, जो पिछले महीने की तुलना में 0.7 फीसदी कम है, जिसका कारण सब्जियों, दालों, अंडों और मछली-मांस की कीमतों का कम होना है। अनाज और दूध की कीमतों में क्रमिक गति सामान्य रही, जबकि चीनी और फलों की कीमतें उंची रहीं। रिपोर्ट में कहा गया है, अप्रैल में मुद्रास्फीति का आंकड़ा मार्च के स्तर के करीब है। प्याज और टमाटर की कीमतों में भारी गिरावट के कारण अप्रैल के पहले 10 दिनों में सब्जियों की कीमतों में 0 से 5 फीसदी की कमी आई है।

रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2026 में सीपीआई हेडलाइन मुद्रास्फीति के औसतन 3.7 फीसदी रहने का अनुमान है, जो आरबीआई के लक्ष्य और पूर्वानुमान 4 फीसदी से काफी कम है। नई गेहूं की फसल बाजार में आने के साथ अप्रैल से खाद्य मुद्रास्फीति में गिरावट आने की संभावना है। इसके अलावा, आईएमडी ने भी 2025 के लिए सामान्य मानसून का पूर्वानुमान जारी किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हाल

ही में रुपए की मजबूती, चीन से आयातित सामानों के दामों में तुलनात्मक कमी, तेल की नरम कीमतें और कमजोर घरेलू विकास के कारण कोर मुद्रास्फीति भी नरम रहने की संभावना है। रिपोर्ट में कहा गया है विकास के 100 संकेतकों के हमारे फ्रेमवर्क से पता चलता है कि मार्च तिमाही पिछली दो तिमाहियों की तुलना में बेहतर है, लेकिन जून 2024 से काफी नीचे है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में जहां कच्चे तेल की कीमतें 65 डॉलर प्रति बैरल से नीचे ही चल रही हैं। वहीं घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ी हैं। तेल कंपनियों ने यूपी और बिहार सहित देश के कई राज्यों के शहरों में तेल के दाम बढ़ाये हैं हालांकि देश के चारों महानगरों में इनकी कीमतें पहले की तरह ही हैं। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर पर है। यूपी के गौतम बुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 6 पैसे महंगा होकर 94.77 रुपये लीटर पर है। वहीं डीजल भी 8 पैसे ऊपर बढ़कर 87.89 रुपये प्रति लीटर है जबकि गाजियाबाद में पेट्रोल 12 पैसे बढ़त के साथ 94.70 रुपये और डीजल 14 पैसे महंगा होकर 87.81 रुपये लीटर पहुंच गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 64 पैसे बढ़त के साथ 106.11 रुपये लीटर जबकि डीजल 60 पैसे महंगा होकर 92.92 रुपये लीटर पर है। कच्चे तेल की बात करें तो ब्रेंट क्रूड का भाव नीचे आकर 64.75 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई की कीमतें भी फिसलकर 61.41 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गयी हैं।

मार्च में व्यापार घाटा बढ़कर 1.84 लाख करोड़ हुआ

ये पिछले महीने से 34 प्रतिशत ज्यादा; देश में इंपोर्ट 11.4 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली।

इंपोर्ट में बढ़ोतरी के कारण भारत का मर्चेंडाइज ट्रेड डेफिसिट यानी व्यापार घाटा मार्च 2025 में बढ़कर 21.54 बिलियन डॉलर (1.84 लाख करोड़ रुपए) हो गया है। ये पिछले महीने की तुलना में 34 प्रतिशत ज्यादा है। फरवरी में व्यापार घाटा 14.05 बिलियन डॉलर (1.21 लाख करोड़ रुपए) था। वहीं मार्च में मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट सालाना आधार पर 0.7 प्रतिशत बढ़कर 41.97 बिलियन डॉलर (3.60 लाख करोड़ रुपए) पहुंच गया है।

देश में इंपोर्ट 11.4 प्रतिशत बढ़ा

इंपोर्ट की बात करें तो मार्च में भारत का इंपोर्ट 63.51 बिलियन डॉलर 5.44 लाख करोड़ रुपए रहा। ये फरवरी के मुकाबले 1.02 लाख करोड़ ज्यादा है। पिछले महीने भारत में 4.42 लाख करोड़ रुपए का इंपोर्ट हुआ था।

फरवरी में व्यापार घाटा 3 साल में सबसे कम रहा

व्यापार घाटा फरवरी 2025 में घटकर 14.05 बिलियन डॉलर (1.21 लाख करोड़ रुपए) हो गया था। ये घाटा अगस्त 2021 बाद से सबसे कम है था। फरवरी में मर्चेंडाइस एक्सपोर्ट 3.20 लाख करोड़ रुपए रहा। जनवरी में ये 3.16 लाख करोड़ रुपए था। इसमें 1.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी। फरवरी में इंपोर्ट की बात करें तो ये जनवरी के मुकाबले 13.59 प्रतिशत कम रहा था। फरवरी में भारत का इंपोर्ट 4.42 लाख करोड़ रुपए रहा। ये जनवरी के मुकाबले 73,000 करोड़ रुपए कम था। जनवरी में भारत में 5.15 लाख करोड़ रुपए का इंपोर्ट हुआ था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 309, निफ्टी 108 अंक ऊपर आया

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी खरीदारी से आई है हालांकि एशियाई बाजारों में कमजोर रुख से उसपर अंकुश लगा रहा। आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले पर कुछ समय बाद ही वह लाल निशान पर पहुंच गये। बैंकिंग स्टॉक्स में तेजी से कारोबार के दूसरे चरण में इंडेक्स बढ़त के साथ ही हरे निशान में पहुंच गये । दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 200 से ज्यादा अंक की बढ़त के साथ ही 76,996.78 पर खुला। बीच में आये बदलाव के बाद अंत में सेंसेक्स 309.40 अंक करीब 0.40 फीसदी ऊपर आकर 77,044.29 पर बंद हुआ।

वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी हल्की बढ़त के साथ 23,344.10 अंक पर खुला। इसके कुछ समय में ही इसमें गिरावट आने लगी हालांकि बाद में इसके फिर बढ़त आने लगी। अंत में यह 108.65 अंक तकरीबन 0.47 फीसदी की ऊपर आकर 23,437.20 पर बंद हुआ। सेक्टोरल इंडेक्स में निफ्टी ऑटो, फार्मा और हेल्थकेयर के अलावा अन्य सभी क्षेत्रों में 2.37 फीसदी तक की बढ़त रही। निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स में सबसे ज्यादा तेजी रही।

आज सेंसेक्स में शामिल 30 में से 18 शेयर बढ़त पर बंद हुए। इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक , अडानी पोर्ट्स, एशियन पेंट्स और भारती एयरटेल के शेयरों को सबसे ज्यादा लाभ हुआ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के टैरिफ में अस्थाई रोक की घोषणा के बाद से ही बाजार में उत्साहत का माहौल है। पिछले तीन ट्रेडिंग सेशन में बेंचमार्क इंडेक्स में 4त्न से ज्यादा की वृद्धि हुई। वहीं

गत दिवस बाजार भारी तेजी के साथ बंद हुआ था। सेंसेक्स 1577.63 अंक बढ़कर 76,734.89 अंक पर जबकि निफ्टी भी यह 500 अंक बढ़कर 23,328.55 पर बंद हुआ था।

वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजारों की बात करें तो पिछले ट्रेडिंग सेशन में वॉल स्ट्रीट पर डॉव जोन्स 0.38 फीसदी की गिरावट के साथ 40,368.96 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 0.17 फीसदी टूटकर 5,396.63 पर बंद हुआ। जबकि नैस्डैक कंपोजिट 0.05 फीसदी की गिरावट के साथ 16,823.17 पर बंद हुआ। बेंचमार्क से जुड़े फ्यूचर्स भी कम कीमत पर कारोबार कर रहे थे। इसमें डॉव जोन्स फ्यूचर्स में 0.5 फीसदी की गिरावट, एसएंडपी 500 फ्यूचर्स में 0.9फीसदी की गिरावट और नैस्डैक 100 फ्यूचर्स में 1.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। एशियाई बाजारों में आज गिरावट देखी गई। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.33 फीसदी नीचे था और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.29 फीसदी नीचे था। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 आज 0.17 फीसदी ऊपर था। हांगकांग का हैंग सेंग 1.01 फीसदी नीचे था और चीन का सीएसआई 300 0.87 फीसदी नीचे था।

भारत में एआई पर खर्च में 2028 तक होगा 35 प्रतिशत का इजाफा!

नई दिल्ली।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर खर्च भारत में 2028 तक 35 फीसदी बढ़कर 9.2 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक बताया गया कि बढ़ता हुआ खर्च एआई की क्षमता को अधिकतम करने के लिए बेहतर डेटा गुणवत्ता, प्रशासन और क्लाउड माइग्रेशन की जरुरत को दिखाता है। रिपोर्ट में बताया गया कि 51 फीसदी भारतीय कंपनियां क्लाउड पर एआई सॉल्यूशंस होस्ट कर रही हैं। हालांकि, खराब गुणवत्ता एक चुनौती बनी हुई है। रिपोर्ट में बताया गया कि गुणवत्तापूर्ण डेटा एक बड़ी समस्या है। भारत में 54 फीसदी, ऑस्ट्रेलिया में 40 फीसदी और आसियान में 40 फीसदी, एपीएसी में 50.4 फीसदी कंपनियां इसे चुनौती मानती हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि 62 फीसदी भारतीय संस्थाओं ने डेटा गवर्नेंस और प्राइवेसी पॉलिसी में सुधार की जरुरत को पहचाना है, जबकि 28 फीसदी एआई डेटा पूर्वाग्रह की चुनौती जूझ रही थी। इन चुनौतियों से निपटने के लिए भारतीय कंपनियां एआई-तैयार डेटा रणनीतियों को स्थापित करने के लिए डेटा एकीकरण, एमएल प्लेटफॉर्म और एनालिटिक्स में निवेश कर रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय संस्थाएं क्लाउड को अपनाने को एआई की सफलता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानती हैं। उन्होंने कहा कि एआई आधारित इनोवेशन को बढ़ाने के लिए, व्यवसायों को

एक मजबूत, स्केलेबल डेटा इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरुरत होगी जो हाई-परफॉर्मेंस एआई एप्लीकेशंस का सपोर्ट करता हो। एक अन्य रिपोर्ट में बताया गया कि 36 फीसदी एंटरप्राइजेज जेनएआई का इस्तेमाल कर रहे हैं और 46 फीसदी 12-24 महीनों के भीतर निवेश की योजना बना रहे हैं। भारत, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बराबर है और 20 फीसदी संस्थाओं के पास एडवांस एआई क्षमताएं हैं, हालांकि देश आसियान से पीछे है, जहां 27 फीसदी संस्थाएं इस स्तर तक पहुंच चुकी हैं। उन्होंने आगे कहा कि इसकी पूरी क्षमता को अनलॉक करने के लिए, संस्थाओं को विश्वसनीय डेटा, मजबूत प्रशासन और इन्फ्रास्ट्रक्चर को प्राथमिकता देनी चाहिए, जिससे एआई को प्रभावी और जिम्मेदारी से बढ़ाया जा सके।

अगर पर्सनल लोन लेने वाले की मृत्यु हो जाए तो कौन भरेगा बकाया रकम?

संपत्ति, सोने के आभूषण, बचत या निवेश से बैंक करता है वसूली

नई दिल्ली।

आज-कल लोन लेना आसान हो गया है। लोग अपनी जरूरतों के मुताबिक पर्सनल लोन लेते हैं और बैंकों इस पर ब्याज भी वसूलता है और लोन लेने वाला शख्स ईएमआई के रूप में लोन का भुगतान करता भी है। आमतौर पर बैंक लोन देने से पहले बॉरोअर की फाइनेंशियल हिस्ट्री देखी जाती है उसके बाद ही लोन दिया जाता है, अगर बकाया लोन भरने से पहले ही लोन लेने वाले शख्स की मौत हो जाए, तो यह कई अहम सवाल खड़े करता है कि उस कर्ज की अदायगी कैसे होगी। भारत में पर्सनल लोन ज्यादातर अनसिक्योर्ड होते हैं यानी कोलैटरल की जरूरत नहीं होती है। अगर पर्सनल लोन लेने वाले की मौत हो जाती है, तो बकाया लोन की अदायगी की जिम्मेदारी ऑटोमैटिक उसके परिवार के सदस्य या कानूनी उत्तराधिकारियों पर नहीं आती है, जब तक कि वे गारंटर या को-एप्लीकेंट न हों। लेंडर मृतक की संपत्ति से कर्ज की वसूली कर सकते हैं, जिसमें संपत्ति, सोने के आभूषण, बचत या पिछले निवेश शामिल होते हैं। कानूनी उत्तराधिकारी अपनी ओर से पर्सनल लोन की अदायगी के लिए केवल उतनी ही रकम के लिए बाध्य होते हैं, जितनी उन्हें विरासत में मिली है।

इंडसइंड बैंक के पोर्टफोलियो में लेखा चूक से करीब 2 हजार करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली।

इंडसइंड बैंक ने बताया कि वायदा-विकल्प पोर्टफोलियो में लेखा चूक होने से बैंक को करीब 2 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है, जिसका खुलासा बाहरी एजेंसी की जांच के बाद पता चला है। पिछले महीने बैंक में हुई इस हलचल की खबरें बाहर आने के बाद इंडसइंड के शेयरों में भी बड़ी गिरावट देखी गई थी अब बैंक ने अपने एफएंडओ सौदों से संबंधित विसंगतियों के कारण दिसंबर, 2024 तक अपनी कुल संपत्ति पर 2.27 फीसदी के प्रतिकूल प्रभाव का आकलन किया है। निजी क्षेत्र के इस बैंक ने कहा था कि वायदा-विकल्प पोर्टफोलियो में लेखा संबंधी चूक से दिसंबर, 2024 तक बैंक की कुल संपत्ति पर करीब 2.35 फीसदी का प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का अनुमान है।

इसके बाद बैंक ने अपने बही-खातों पर हुए प्रभाव और कई स्तर पर खामियों का पता लगाने व सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देने के लिए बाहरी एजेंसी पीडब्ल्यूसी को नियुक्त किया है। इंडसइंड बैंक ने अपने बही खातों में हुई चूक की जांच के लिए बाहरी एजेंसी पीडब्ले यूसी को नियुक्त किया है, जिसने मामले का खुलासा किया है। इंडसइंड बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में 30 जून, 2024 तक बही खाते में हुई चूक के नकारात्मक प्रभाव को 1,979 करोड़ रुपए आंका है। बैंक ने बताया कि उसके 2024-25 की फाइनेंशियल डिटेल में इसके प्रभाव को उचित रूप से दर्शाया जाएगा और एफएंडओ को लेकर भविष्य में ज्यादा सतर्कता बरती जाएगी। इंडसइंड बैंक के बोर्ड ने लेखा खामियों के फॉरेंसिक ऑडिट के लिए ग्लोबल एजेंसी ग्रांट थॉर्नटन को भी नियुक्त किया है। ग्रांट थॉर्नटन बैंक में आई विसंगतियों के मूल कारण की पहचान करने और प्रचलित लेखा मानकों के संबंध में वायदा-विकल्प अनुबंधों की व्यापक जांच करेगा। इसके अलावा फर्म लेखांकन में विसंगतियों के लिए जवाबदेही तय करेगी। इंडसइंड बैंक में इस चूक की खबर सामने आने के बाद मार्च में बैंक के शेयरों में लगातार गिरावट देखी गई है। इससे बैंक का स्टॉक 52 सप्ताह के निचले स्तर पर चला गया था। 12 मार्च को बैंक के शेयरों का भाव 606 रुपए तक चला गया था। बाद में इसमें तेजी से सुधार आया और 15 अप्रैल को बैंक के शेयर 735.50 रुपए के भाव पर बंद हुए थे।

एसयूवी टाटा हैरियर का पेट्रोल वर्जन जल्द होगा लॉन्च

नई दिल्ली।

टाटा मोटर्स कंपनी अपनी लोकप्रिय एसयूवी टाटा हैरियर के पेट्रोल वर्जन को जल्द ही लॉन्च करेगी। हाल ही में टाटा हैरियर पेट्रोल मॉडल को टेस्टिंग के दौरान देखा गया, जिससे इसके जल्द लॉन्च होने की अटकलें तेज हो गई हैं। अभी तक बाजार में यह एसयूवी केवल डीजल इंजन में ही उपलब्ध है, लेकिन अब कंपनी इसे पेट्रोल वेरिएंट में भी पेश करने की तैयारी कर रही है। हालांकि, कंपनी की ओर से अभी तक इसकी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। मिली जानकारी के अनुसार, टाटा मोटर्स अपनी हैरियर और सफारी एसयूवी में नया 1.5 लीटर टर्बोचार्ज्ड डायरेक्ट इंजेक्शन पेट्रोल इंजन देने की योजना बना रही है। यह इंजन 170 पीएस की पावर और 280 एनएम का टॉर्क जेनरेट करने में सक्षम होगा। इसके साथ ही यह इंजन बीएस6 फेज-2 उत्सर्जन मानकों के अनुरूप होगा और ई20 एथेनॉल-पेट्रोल मिक्स फ्यूल पर चलेगा। कंपनी इसे मैनुअल और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन दोनों विकल्पों के साथ बाजार में उतार सकती है। पेट्रोल इंजन की बदौलत यह एसयूवी न केवल अधिक किफायती विकल्प बन सकती है, बल्कि इसे उन ग्राहकों से भी अच्छा रिस्पॉन्स मिलने की उम्मीद है, जो डीजल वाहन से दूर रहना पसंद करते हैं। अनुमान है कि टाटा हैरियर का पेट्रोल वर्जन 2025 की दूसरी छमाही तक बाजार में आ सकता है।बता दें कि टाटा मोटर्स ने पहले अपने ऑटो एक्सपो में हैरियर के इलेक्ट्रिक वर्जन को भी प्रदर्शित किया था, लेकिन उसकी लॉन्चिंग अभी लंबित है। ऐसे में माना जा रहा है कि पेट्रोल वर्जन को पहले लॉन्च किया जा सकता है।

मार्च माह में सस्ती हुई खाने-पीने की चीजें, लोगों के साथ सरकार को भी मिली राहत

फरवरी में थी 2.38 फीसदी जो मार्च में घटकर 2.05 फीसदी पर आई

नई दिल्ली।

मार्च 2025 में महंगाई से राहत मिली। खासकर खाद्य वस्तुओं और सब्जियों की कीमतों में आई गिरावट ने न केवल आम लोगों को राहत दी बल्कि केंद्र सरकार को भी राहत मिली। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक मार्च में खुदरा महंगाई दर केवल 3.34 फीसदी रही जो फरवरी में 3.61 फीसदी थी। यह 67 महीने में सबसे कम वृद्धि है जो अगस्त 2019 के बाद देखी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक मार्च में थोक महंगाई दर घटकर 2.05 फीसदी पर आ गई जबकि फरवरी में यह 2.38 फीसदी थी। इससे साफ है कि महंगाई पर काबू पाने में सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की नीतियों का असर है। मार्च में खाद्य महंगाई की रफ्तार सुस्त हुई है। खुदरा बाजार में खाद्य उत्पादों की कीमतों में 2.69 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई जबकि थोक बाजार में यह 1.57 फीसदी रही। यह दर्शाता है कि कीमतों में बढ़ोतरी की गति धीमी हो गई है जिससे आम आदमी को राहत मिली है। खासकर सब्जियों और प्रोटीन उत्पादों की कीमतों में गिरावट आई है जो खाद्य महंगाई को नियंत्रित करने में मददगार साबित हुई। खाद्य महंगाई नवंबर 2021 के बाद मार्च 2025 में सबसे कम रही है। मार्च में खाद्य महंगाई दर 2.69 फीसदी रही जो नवंबर 2021 के बाद का सबसे निचले स्तर पर था। इसमें प्रमुख योगदान सब्जियों और दालों की कीमतों में आई गिरावट का है। हालांकि कुछ खाद्य वस्तुओं जैसे फल और खाद्य तेल की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिली है। वहीं विनिर्मित उत्पादों की महंगाई मार्च में बढ़कर 3.07 फीसदी हो गई जबकि फरवरी में यह 2.86 फीसदी थी। इसके अलावा मार्च में ईंधन और बिजली की कीमतों में भी बढ़ोतरी देखी गई जिससे थोक मुद्रास्फीति दर 0.20 फीसदी हो गई जो फरवरी में 0.71 फीसदी थी। खुदरा खाद्य महंगाई मार्च में 2.69 फीसदी रही जबकि थोक खाद्य महंगाई केवल 1.57 फीसदी भी। यही नहीं पिछले कुछ महीनों की तुलना में मार्च में महंगाई में सुस्ती आई है जिससे केंद्र सरकार और आरबीआई की नीतियों की सफलता साफ तौर पर दिखाई दे रही है। हालांकि कुछ वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी से लोगों पर बोझ पड़ रहा है। जैसे हाउसिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य और ट्रांसपोर्ट की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है, लेकिन खाद्य महंगाई में आई राहत से लोगों को राहत मिली है।

सेकेंड हैंड बाजार में नेक्सॉन की कीमत में मिल रही लग्जरी कारें

नई दिल्ली।

अगर आप इस बजट में एक प्रीमियम और लग्जरी कार का अनुभव लेना चाहते हैं, तो सेकेंड हैंड बाजार में कुछ ऐसे विकल्प मौजूद हैं जो आपको नेक्सॉन की कीमत में ही मिल सकते हैं। जैसे कि 2011 मॉडल बीएमडब्ल्यू 525डी, जिसे 13.95 लाख रुपये में बेचा जा रहा है। यह कार केवल 58,000 किलोमीटर चली है और इसमें एफ 90 एम5 जैसा लुक दिया गया है। इसके साथ ही इंटीरियर में भी बदलाव कर नया इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और स्क्रीन जोड़ी गई हैं। इसमें सनरूफ, लेदर सीट्स और 2.0-लीटर डीजल इंजन मिलता है, जो 217 बीएचपी की पावर देता है। दूसरा विकल्प है मर्सिडीज-बेंज एस-क्लास, जो मात्र 13.25 लाख रुपये में मिल रही है। इसमें 3.5-लीटर वी 6 पेट्रोल इंजन है जो 272 बीएचपी की ताकत देता है। एस-क्लास को लग्जरी का प्रतीक माना जाता है और इसमें रियर एंटरटेनमेंट स्क्रीन, इलेक्ट्रिक सीट्स और प्रीमियम इंटीरियर मिलता है। इसके अलावा 2017 की जगुआर एक्सई प्रेस्टिज 16.9 लाख रुपये में उपलब्ध है, जो कम उम्र और दमदार फीचर्स के कारण एक बेहतरीन विकल्प है। वहीं, 2016 की ऑडी ए6 भी 18.5 लाख रुपये में मिल रही है, जिसमें प्रीमियम इंटीरियर और एडवांस फीचर्स मौजूद हैं। कुल मिलाकर, यदि आप नेक्सॉन खरीदने का सोच रहे हैं, तो इन्हें भी एक बार जरूर देखें। बता दें कि टाटा नेक्सॉन भारत की सबसे लोकप्रिय

सब-कॉम्पैक्ट एसयूवी में से एक है, जो अपनी दमदार परफॉर्मेंस, फीचर्स और सुरक्षा के लिए जानी जाती है। इसका टॉप वेरिएंट मुंबई में ऑन-रोड करीब 18.60 लाख रुपये का आता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईपीएल में असफल रहे मैक्सवेल का कीवी गेंदबाज ने उड़ाया मजाक

मोहाली।

आईपीएल में पंजाब किंग्स के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल एक बार फिर असफल हुए हैं। इस सत्र में अब तक मैक्सवेल एक बार भी रन नहीं बना पाने के कारण निशाने पर हैं। न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज साइमन डल ने भी मैक्सवेल को आड़े हाथों लिया है। मैक्सवेल कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ ने 10 गेंदों पर केवल सात ही रन बनाए। छह मैच में उनके नाम अब तक केवल 41 रन ही हैं। डल ने मैक्सवेल का मजाक उड़ाया। डल ने कहाकि उन्होंने अपने औसत से एक ज्यादा बनाया। असलियत ये है कि वह वरुण चक्रवर्ती की गेंद को समझ ही नहीं पाए। डल ने वरुण की जमकर प्रशंसा की है। केकेआर ने पंजाब किंग्स को 16 ओवरों में मात्र 111 के स्कोर पर समेट दिया था। वरुण चक्रवर्ती और सुनील नारायण ने दो-दो विकेट हासिल किए थे। हर्षित राणा केकेआर के सबसे कामयाब गेंदबाज रहे। उन्हें कुल तीन विकेट मिले थे।

केकेआर में बने रहने मैंने 9 से 10 करोड़ रुपये के प्रस्ताव ठुकराये- रमनदीप

नई दिल्ली।

कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की ओर से खेल रहे युवा ऑलराउंडर रमनदीप सिंह ने कहा है कि मेगा नीलामी से पहले उन्हें दूसरी टीमों से 9 से 10 करोड़ रुपये देने का प्रस्ताव आया था पर उन्होंने केकेआर को नहीं छोड़ा। रमनदीप की पिछले साल केकेआर की खिताबी जीत में अहम भूमिका रही थी। इसी कारण उन्हें कई टीम शामिल करने के लिए तैयार थीं। 2024 में उन्होंने केकेआर के लिए कई अच्छी पारियां खेली थी। यही कारण था कि केकेआर ने उन्हें चार करोड़ रुपये में टीम में बनाये रखा।

रमनदीप ने कहा, नीलामी से पहले कई टीम ने मुझसे संपर्क किया था। इसमें मुझसे कहा गया था कि टीम में बने मत रहना, हम आपको नीलामी में 9 से 10 करोड़ रुपये दे सकते है पर मेरे लिए ईमानदारी मायने रखती है क्योंकि जब मुझे जरूरत थी तब केकेआर ने मुझे मंच दिया था। वहीं इस बार जब रिटेंशन का फैसला होना था, तब वेंकी सर ने फोन करके कहा, 'आप हमारी रिटेंशन योजनाओं में शामि हैं, आप क्या सोच रहे हैं? आखिरकार यह आपका फैसला है। वहीं अगर आप नीलामी में शामिल होते हैं, तो हम आरटीएम के जरिये आपको ले सकते हैं।' वहींमैंने उनसे कहा कि मुझे रिटेन होने में खुशी होगी क्योंकि एक बार जब आप नीलामी में शामिल हो जाते हैं, तो इस बात की कोई गारंटी नहीं होती कि आप उसी टीम में होंगे और मैं केकेआर नहीं छोड़ना चाहता था। मेरे लिए, कुछ करोड़ कम होने से कोई प्रभाव नहीं पड़ता। मैं उनकी बात का सम्मान करना चाहता था।

गौरतब है कि रमनदीप को साल 2022 में मुंबई इंडियंस ने हार्दिक पंड्या के संभावित विकल्प के रूप में चुना था हालांकि जब हार्दिक आईपीएल 2024 से पहले गुजरात टाइटंस से फ्रेंचाइजी में वापस आए, तो उन्हें केवल पांच मैच खेलने के बाद रिलीज कर दिया गया। वहीं नवंबर 2023 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद रमनदीप एक बार फिर नजरों में आये।

केकेआर ने आईपीएल 2024 से पहले उन्हें शामिल कर लिया। उन्होंने केकेआर के लिए निचले क्रम के फिनिशर के तौर पर खेला। , उन्होंन नौ पारियों में 201.61 की स्ट्राइक रेट से 125 रन बनाए हालांकि इस सत्र में वह अब तक कुछ खास नहीं कर पाये हैं।

मई में होने वाली टी-20 मुंबई लीग के लिए खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साहः एमसीए

मुंबई।

अगले माह मई में होने वाली टी-20 मुंबई लीग के तीसरे संस्करण के लिए युवा खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह है। 2800 से अधिक खिलाड़ियों ने इस लीग के लिए पंजीकरण कराया है। इससे पता चलता है कि मुंबई में क्रिकेट को लेकर कितनी दीवानगी है। इसके साथ ही इससे लीग की लोकप्रियता और इसके महत्व का भी अंदाजा होता है। इसके पंजीकरण के लिए मुंबई के कोने-कोने से खिलाड़ियों ने भाग लिया। अब पंजीकृत खिलाड़ियों में से योग्या उम्मीदवारों को नीलामी में अंतिम रुप दिया जाएगा।

इसी को लेकर एमसीए के सचिव अभय हादप ने कहा, ÷टी20 मुंबई लीग के तीसरे सत्र को लेकर सभी उत्साहित हैं। 2800 से ज्यादा खिलाड़ियों का पंजीकरण इस लीग की लोकप्रियता और मुंबईवासियों के क्रिकेट प्रेम को दिखाता है। हम इससे देखकर बेहद खुश हैं और अगली पीढ़ी के क्रिकेट सितारों को संवारने के लिए तैयार हैं।÷ साल 2018 में शुरू हुई यह लीग घरेलू फ्रेंचाइजी-आधारित टी20 प्रतियोगिताओं में से एक है। इसके पिछले सत्रों में शिवम दुबे, तुषार देशपांडे और शम्स मुलानी जैसे खिलाड़ी उभरे हैं जो राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचे हैं। छह साल के लंबे अंतराल के बाद वापसी कर रही यह लीग मुंबई के क्रिकेट प्रेमियों में नई ऊर्जा भरेगी। इस सत्र में कुल आठ फ्रेंचाइजी टीमें नॉर्थ मुंबई पैंथर्स, एआरसीए, अंधेरी, ट्रायंफ नाइट्स, मुंबई नॉर्थ ईस्ट, नामो बांद्रा ब्लास्टर्स, ईगल ठाणे स्ट्राइकर्स और आकाश टाइगर्स मुंबई वेस्टर्न सबर्ब्स भाग लेंगी। इनके अलावा दो नई टीमें भी इस बार लीग में उतरेंगी।

घरेलू स्तर पर आयुष का रहा है शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली। चेन्नई सुपरकिंग्स ने कोहनी की चोट के कारण बाहर हुए कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ की जगह 17 साल के युवा आयुष म्हात्रे को टीम में शामिल किया है। आयुष ने इस दौरान रेस में पृथ्वी शॉ को पीछे छोड़ा जबकि माना जा रहा था कि अनुभवी होने के कारण पृथ्वी को अवसर मिलेगा। आयुष ने हाल के दिनों में घरेल स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर सभी का ध्यान खींचा था। आयुष मुंबई की ओर से खेलते हैं। इस क्रिकेटर ने 9 फर्स्ट-क्लास मैचों के साथ-साथ ही सात लिस्ट ए मैच भी खेले हैं। फर्स्ट-क्लास मैच में 150 से अधिक रन बनाने वाले वह सबसे युवा खिलाड़ी हैं। आयुष को सीएसके ने 30 लाख के आधार मूल्य पर शामिल किया है। इस उभरते खिलाड़ी ने हाल ही में मुंबई के लिए घरेलू क्रिकेट में अच्छी शुरुआत करते हुए सीएसके की ओर से ट्रायल्स भी दिए थे। उन्होंने इस टूर्नामेंट में 31.50 की औसत से एक अर्धशतक और दो शतक से 504 रन बनाकर प्रभावित किया था। लिस्ट ए क्रिकेट में आयुष ने सात मैचों में 65.42 की शानदार औसत से 458 रन बनाए हैं, जिसमें एक अर्धशतक और दो शतक शामिल हैं। पिछले साल 2024 में नागालैंड के खिलाफ खेले गए मैच में म्हात्रे ने 117 गेंदों पर ही 181 रन बनाये। फर्स्ट-क्लास मैच में 150 से अधिक रन बनाने वाले वह सबसे युवा खिलाड़ी हैं। वह ईरानी ट्रॉफी में भी विजेता टीम का हिस्सा थे। उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में भी अच्छा प्रदर्शन किया था। आयुष मुंबई के बाहरी इलाके विरार से हैं। उनका यहां तक का सफर आसान नहीं रहा है। वह घर से हर दिन करीब 80 किलोमीटर की दूरी तय कर क्रिकेट अकादमी पहुंचते थे। उनके दादा उन्हें क्रिकेटर बनने में अहम भूमिका निभाई। दादा ही हर दिन आयुष को स्कूल और क्रिकेट कोचिंग के लिए ले जाते थे।

मुम्बई और सनराइजर्स के बीच मुकाबला आज

मुंबई (ईएमएस)। मुंबई इंडियंस की टीम गुरुवार को अपने घरेलू मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला करेगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। मुम्बई को अपने घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा जिससे उसका पलड़ा भारी नजर आता है। वानखेड़े स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के अनुकूल रही है, लेकिन गेंदबाज भी इससे मिलने वाली उछाल का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। मुम्बई को जीत के लिए सनराइजर्स के बल्लेबाजों को बड़े स्कोर बनाने से रोकना होगा। टीम इस मैच में अपने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी पिछले मैच में बुमराह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये थे। बुमराह की गेंदों पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में काफी रन बने। ऐसे में सनराइजर्स के आक्रामक बल्लेबाज ट्रेविस हेड, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन उनपर बड़े शॉट लगाने का पूरा प्रयास करेंगे।

मुंबई की परेशानी अपने स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा का फार्म में नहीं होना भी है। रोहित अभी तक पांच मैचों में एक बार भी बड़ा स्कोर नहीं बना पाये। वह अब तक केवल 56 रन बना पाए हैं। इससे मुंबई की टीम का प्रदर्शन भी खराब रहा है और वह अभी तक केवल दो मैच जीत जीत कर अंक तालिका में सातवें स्थान पर है।

मुंबई इंडियंस की की बल्लेबाजी अभी तक इस सत्र में सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा पर ही आधारित रही है पर अगर टीम को जीत दर्ज करनी है तो अन्य बल्लेबाजों को भी रन बनाने होंगे। वहीं दूसरी ओर सनराइजर्स की टीम भी अच्छी स्थिति में नहीं है। इस बार उसके बल्लेबाज रनों के लिए संघर्ष करते दिखे हैं। पहले मैच में टीम ने 286 रन बनाये थे पर उसके बाद से ही उसके लिए 200 रनों तक पहुंचा भी संभव नहीं हुआ है हालांकि पंजाब किंग्स के खिलाफ वह 246 रन के लक्ष्य तक पहुंचने में सफल रही जिससे टीम प्रेरित होना चाहेगी। पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में अभिषेक ने 141 रन बनाए थे। अंक तालिका में सनराइजर्स की टीम अभी नौवें स्थान पर है।

मुंबई इंडियंस

हार्दिक पांड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, रियान रिकेल्टन (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, विल जैक, तिलक वर्मा, , नमन धीर, जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट, मिचेल सेंटनर, कर्ण शर्मा।

सनराइजर्स हैदराबाद

पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, ईशान किशन, नीतीश कुमार रेड्डी, हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), अनिकेत वर्मा, अभिनव मनोहर, मोहम्मद शमी, हर्षल पटेल, जीशान अंसारी, एहसान मलिंगा।

संक्षिप्त समाचार

पूरन ने गाया हिंदी गाना

मुम्बई। आईपीएल के इस सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स के बल्लेबाज निकोल्स पूरन ने अब तक आक्रामक बल्लेबाजी कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया है। वहीं खेल के साथ ही पूरन गाने के भी शौकीन हैं। उनके एक बॉलीवुड गाने का वीडिया भी सोशल मीडिया में आया है। इसे सुपर जायंट्स ने पोस्ट किया है। इस दौरान पूरन के साथ टीम के कप्तान ऋषभ पंत और युवा खिलाड़ी अब्दुल समद और टीम के अन्य खिलाड़ी भी शामिल थे। प्रशंसकों ने भी इस वीडियो को खूब पसंद किया और पूरन की आवाज की भी प्रशंसा की है। इस मैच में धोनी एक बार फिर से फिनिशर के रोल में आये और अन्होंने सीएसके को जीत दिलाई। धोनी जब उतरे थे तब टीम को जीत के लिए 5 ओवर में 53 रन चाहिए थे पर धोनी ने एक छोर संभाला और 11 गेंदों पर चार चौके और एक छक्के की मदद से 26 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। वहीं शिवम दुबे ने भी 37 गेंदों पर 43 रन बनाकर उनका साथ दिया और टीम को 20वें ओवर में पांच विकेट से जीत दिला दी।

धोनी लंगड़ाते दिखे, सीएसके की मुश्किलें बढ़ीं

लखनऊ। इस सत्र में खराब दौर से गुजर रही चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। ऋतुराज गायकवाड़ के बाहर होने के बाद एक बार फिर कप्तानी संभाल रहे महेन्द्र सिंह धोनी भी लखनऊ सुपर जायंट्स से मुकाबले के बाद लंगड़ाते हुए दिखे। इससे प्रशंसकों के साथ ही सीएसके की भी परेशानी बढ़ गयी है। इससे उनकी फिटनेस पर भी सवाल उठने लगे हैं। सुपर जायंट्स के खिलाफ धोनी ने केवल 11 गेंदों पर ही 26 रन बनाकर अपनी टीम को पांच मैचों के बाद जीत दिलायी थी। हाल ही में टीम के मुख्य स्टीफन फ्लेमिंग ने भी कहा था कि धोनी अब पहले की तरह नहीं है और उनपर अधिक बोझ नहीं डाला जा सकता। इसलिए वह निचले क्रम पर उतर रहे हैं। सीएसके भी चाहेगी कि धोनी अगले मैच तक पूरी तरह से फिट हो जायें। सीएसके इस सत्र में अभी पांच मैच में मिली हार के बाद अंक तालिका में सबसे नीचे है। ऐसे में अब उसे प्लेऑफ की उम्मीदें बनाएं रखने रह मैच जीतना होगा।

यजुवेंद्र चहल का जादू चला, पंजाब ने किया सबसे छोटा स्कोर डिफेंड

मुल्लांपुर।

आईपीएल के 31वें मैच में पंजाब किंग्स ने कम स्कोर बनाने के बाद भी कोलकाता नाइट राइडर्स को 16 रन से हरा दिया। और आईपीएल का सबसे छोटा स्कोर डिफेंड कर दिखाया। पंजाब से युजवेंद्र चहल ने 4 विकेट लेकर मैच पलटा। मार्को यानसन ने 3 विकेट लिए। प्रभसिमरन सिंह ने 30 और प्रियांश आर्या ने 22 रन बनाए। कोलकाता से हर्षित राणा ने 3 विकेट लिए। वरुण चक्रवर्ती और सुनील नरेन को 2-2 विकेट मिले। कोलकाता नाइट राइडर्स 112 रन के रन-चेज़ में आसानी से आगे बढ़ रही थी, लेकिन युजवेंद्र चहल ने चार जल्दी विकेट लेकर खेल को पूरी तरह से बदल दिया। 13 ओवर के बाद नाइट राइडर्स का स्कोर 79/8 हो गया ।

बीसीसीआई ने बांग्लादेश दौरे के लिए घोषित किया कार्यक्रम

तीन-तीन मैचों की एकदिवसीय और टी20 सीरीज खेलेगी टीम

मुम्बई।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आगामी बांग्लादेश दौरे के लिए कार्यक्रम घोषित कर दिया है। बोर्ड के अनुसार भारतीय टीम बांग्लादेश दौरे पर 3 एकदिवसीय और इतने ही टी20 मैच खेलेगी। ये मुकाबले मीरपुर और चटगांव में खेले जांएगे। भारतीय टीम पहली बार बांग्लादेश की धरती पर टी20 सीरीज खेलेगी। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे से लौटने के बाद बांग्लादेश का दौरा करेगी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के मुख्य कार्यकारी निजाम उद्दीन चौधरी ने कहा, 'यह सीरीज हमारे घरेलू कैलेंडर की सबसे रोमांचक और बहुप्रतीक्षित सीरीज में से एक होगी। भारतीय टीम ने सभी प्रारुपों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष मानक स्थापित किए हैं और दोनों देशों के क्रिकेट प्रेमी इस मुकाबले से उत्साहित रहेंगे।' इससे पहले भारत और बांग्लादेश के बीच अंतिम बार द्विपक्षीय सीरीज सितंबर और अक्टूबर 2024 में भारत में खेली गयी थी।

तब भारतीय टीम ने टेस्ट सीरीज और टी20 दोनो में ही सभी मुकाबले जीते थे।

वहीं इस बार बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज से युवा प्रतिभाओं को अवसर मिलेगा। इस सीरीज में उभरते खिलाड़ियों के साथ ही उन खिलाड़ियों को भी अवसर मिल सकता है जो आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

भारतीय टीम बांग्लादेश दौरे की शुरुआत एकदिवसीय सीरीज से करेगी।

रोहित शर्मा की कप्तानी में सीरीज का पहला एकदिवसय मैच 17 अगस्त (रविवार) को मीरपुर में खेला जाएगा। दूसरा मुकाबला 20 अगस्त (बुधवार) को मीरपुर में व तीसरा व अंतिम मुकाबला 23 अगस्त (शनिवार) को चटगांव में खेला जाएगा। वहीं टी20 सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव करेंगे। टी20 सीरीज का पहला मैच 26 अगस्त (मंगलवार) को चटगांव में खेला जाएगा। वहीं दूसरा टी20 मैच 29 अगस्त (शुक्रवार) को मीरपुर में आयोजित किया जाएगा। इसके बाद सीरीज का आखिरी मुकाबला 31 अगस्त को मीरपुर में खेला जाएगा।

वानखेड़े स्टेडियम में रोहित, वाडेकर और पवार के नाम पर होंगे स्टैंडः एमसीए

मुंबई। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) ने कहा है कि यहां के वानखेड़े स्टेडियम में भारतीय टेस्ट और एकदिवसीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा, पूर्व कप्तान अजीत वाडेकर और पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष शरद पवार के नाम के स्टैंड बनेंगे। एमसीए की सलाना बैठक में ये फैसला किया गया। पारित प्रस्ताव के अनुसार, दिवेचा पवेलियन के तीसरे तल्ले को अब रोहित शर्मा स्टैंड के नाम से जाना जाएगा, ग्रैंड स्टैंड के तीसरे तल्ले का नाम पूर्व आईसीसी चेयरमैन पवार के नाम पर रखा जाएगा और ग्रैंड स्टैंड चौथे तल्ले का नाम वाडेकर के नाम पर रखा जाएगा। गौरतब है कि वाडेकर ने 1966 से 1974 तक 37 टेस्ट और दो एकदिवसीय खेले थे। उन्होंने 1971 में वेस्टइंडीज और इंग्लैंड में भारत को सीरीज में ऐतिहासिक जीत दिलाई। अगस्त 2018 में 77 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। एमसीए के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने कहा कि स्टैंड का नाम रखना हमारे क्रिकेट के स्तंभों के प्रति सम्मान दिखाना है।

धोनी ने बताया पिछले मैचों में सीएसके की हार का कारण

लखनऊ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पांच मैच में मिली हार के बाद चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को जीत मिली है। इस मैच में जीत के बाद कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने बताया है कि सीएसके किन कारणों से पिछले मैचों में हारी थी। लखनऊ ने इस मैच में सीएसके को जीत के लिए 167 रनों का लक्ष्य दिया था जिसे सीएसके ने 20 वें ओवर में हासिल कर लिया। इस सत्र की शुरुआत में सीएसके की कप्तानी ऋतुराज गायकवाड़ के पास थी पर वह कोहनी की चोट के कारण बाहर हो गये। इसके बाद एक बार फिर धोनी को कप्तानी संभालनी पड़ी है। धोनी ने मैच के बाद कहा, फ्अगर आप पिछले मैचों को देखें तो पावरप्ले हो या वह टीम संयोजन हो या हालत में हम गेंद से संघर्ष कर रहे थे। इसी कारण हम बल्लेबाजी इकाई के रूप में वह शुरुआत नहीं कर पाए जो हम चाहते थे। साथ ही विकेटों का गिरना भी लगातार जारी था। हम कुछ हद तक गलत समय पर विकेट गंवाते रहे। इसका एक कारण यह हो सकता है कि हमारा घरेल विकेट थोड़ा धीमा हो। वहीं इस बार हम घर से बाहर खेल रहे थे। ऐसे में बल्लेबाजी इकाई ने थोड़ा बेहतर प्रदर्शन किया है। शायद हमें ऐसे विकेट पर खेलने की जरूरत है जो अधिक बेहतर हों जिससे बल्लेबाजों को अपने शॉट खेलने में आसानी हो। आप डर कर नहीं खेल सकते 'उन्होंने आगे कहा,'तब हम अनुभवी स्पिनर आर अश्विन पर बहुत ज्यादा दबाव डाल रहे थे। वह पहले छह ओवर में दो ओवर गेंदबाजी कर रहा था। हमने बदलाव किए और वह बेहतर गेंदबाजी करने लगे। एक गेंदबाजी इकाई के रूप में हमने अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं एक बल्लेबाजी इकाई के रूप में, हम बेहतर कर सकते हैं। अगर आप अच्छी शुरुआत करते हैं, और आप ऐसे खिलाड़ी हैं जो पारी के अंत तक खेल सकते हैं, तो क्यों नहीं। मुझे लगता है कि शेख रशीद ने आज अच्छी बल्लेबाजी की। वह काफी साल से हमारे साथ है। इस साल वह नेट्स में तेज गेंदबाजों और स्पिनरों दोनों के खिलाफ वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है। यह तो बस शुरुआत है।

बीसीसीआई ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए नई वेकेंसी की घोषणा की

मुम्बई।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए दो अहम पदों के लिए वेकेंसी की घोषणा की है। बीसीसीआई ने बुधवार को इस फैसले की जानकारी दी और इन पदों के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह कदम महिला क्रिकेट टीम के प्रदर्शन और खिलाड़ियों की फिटनेस को बेहतर बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। बीसीसीआई ने हेड फिजियोथेरेपिस्ट और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच के पदों के लिए आवेदन मांगे हैं। ये दोनों पद बैंगलुरु में स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में काम करेंगे। हेड फिजियोथेरेपिस्ट का मुख्य कार्य खिलाड़ी के चोटिल होने पर उनका इलाज और रिकवरी प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाना होगा। फिजियोथेरेपिस्ट को खिलाड़ियों के उपचार के साथ-साथ उनके फिटनेस शेड्यूल को बनाए रखने की जिम्मेदारी भी होगी। इस पद के लिए उम्मीदवार के पास स्पोर्ट्स या मस्कुलोस्केलेटल फिजियोथेरेपी, स्पोर्ट्स एंड एक्सरसाइज मेडिसिन या स्पोर्ट्स रिहैबिलिटेशन में पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री होनी चाहिए। इसके साथ ही उम्मीदवार को फिजियोथेरेपी के क्षेत्र में कम से कम 10 वर्षों का अनुभव होना चाहिए। आवेदक का टीम या एथलीट के साथ काम करने का अनुभव होना जरूरी है, ताकि वह खिलाड़ियों की फिटनेस और रिकवरी के लिए बेहतर योजनाएं बना सके। वहीं, स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच का काम खिलाड़ियों के फिटनेस और शारीरिक ताकत को बढ़ाने का होगा। इस कोच को खिलाड़ियों के वॉर्मअप शेड्यूल, मैच से पहले प्रैक्टिस और फिटनेस प्रोग्राम बनाने की जिम्मेदारी सौपी जाएगी। यह कोच यह सुनिश्चित करेगा कि खिलाड़ी शारीरिक रूप से फिट रहें और मैच के दौरान किसी प्रकार की शारीरिक समस्याओं से बचें। इस पद के लिए कम से कम 7 साल के अनुभव की आवश्यकता है। आवेदक को किसी टीम या एथलीट के साथ काम करने का अनुभव होना चाहिए, ताकि वह टीम के लिए एक प्रभावी फिटनेस शेड्यूल तैयार कर सके। इन दोनों पदों के लिए बीसीसीआई का उद्देश्य महिला क्रिकेट टीम के प्रदर्शन को बेहतर बनाना है, जिससे टीम को आने वाले समय में और भी बेहतर परिणाम मिल सकें। इन बदलावों से न केवल खिलाड़ियों की फिटनेस में सुधार होगा, बल्कि टीम की समग्र प्रदर्शन क्षमता भी बढ़ेगी।

रहाणे ने हार के लिए बल्लेबाजों को जिम्मेदार बताया

चंडीगढ़।

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 112 रनों के छोटे से लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाने के लिए खराब बल्लेबाजी को जिम्मेदार बताया है। रहाणे ने कहा कि हमारी बल्लेबाजी निराशाजनक रही और वह अपने को भी इसके लिए दोषी मानते हैं। इस मैच में रहाणे और अंगकृष रघुवंशी के बीच 60 रनों की साझेदारी हुई थी जिससे टीम जीत की ओर बढ़ रही थी पर युजवेंद्र चहल ने रहाणे को आउट कर मैच पलट दिया। इसके बाद तो एक के बाद एक विकेट गिरते चले गये। रहाणे के आउट होने के बाद केकेआर की पूरी टीम 15.1 ओवर में ही 95 रनों पर सिमट गयी। रहाणे ने कहा कि मैं हार की जिम्मेदारी लेता हूं। हमने अच्छा खेल नहीं खेला। हमसे गलती हुई है। उन्होंने कहा कि हमारे गेंदबाजों ने अच्छी गेंदबाजी की और पंजाब किंग्स को 111 रनों पर रोक दिया पर हमारे बल्लेबाज विफल रहे। उन्होंने कहा कि मैच के दौरान मेरे दिमाग में नेट रन रेट नहीं चल रहा था। हम छोटे से लक्ष्य का पीछा कर रहे थे। हमारे प्रशंसकों को उम्मीद होगी कि हम यह मैच आसानी से जीत लेंगे और नेट रन रेट भी अच्छा होगा पर हमने बल्लेबाजी में सब कुछ खो दिया।

रहाणे ने कहा कि उनके बल्लेबाजों ने खराब शॉट खेले। उन्होंने कहा, हमारे लिए यह आसान लक्ष्य था। लेकिन, इसे हम हासिल नहीं कर सके। यह क्रिकेट का पार्ट है। अभी हमें सकारात्मक रहना होगा क्योंकि टूर्नामेंट का आधा हिस्सा अभी भी बाकी है। इस पर ध्यान देना होगा और आगे बढ़ना होगा। वहीं दूसरी ओर चहल ने टूर्नामेंट में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 28 रन देकर चार विकेट लिए जबकि तेज

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इन अजीबोगरीब इमारतों को देखकर आप भी हो जाएंगे हैरान,

किसी का जूते तो किसी का टोकरी जैसा है आकार

दुनिया भर में कई ऐसी अजीबोगरीब और विचित्र जगहें हैं जिन्हें देख कर लोग हैरान रह जाते हैं। ऐसी कई जगह है जहां की विचित्र निर्माण शैली को देखकर आप भी सोच में पड़ जाएंगे कि बनाने वाले ने खूब बनाया है। इन्हें एक बार देखने के बाद आपका भी मन करेगा कि इन्हें प्रत्यक्ष रूप से देखा जाए। आज के इस लेख में हम आपको दुनिया की सबसे विचित्र और अनोखी इमारतों के बारे में बताने जा रहे हैं –

उल्टा चर्च

कनाडा के कैलेग्री में स्थित चर्च को देखकर को देखकर आप भी हैरत में पड़ जाएंगे। यह चर्च देखने में उल्टा लगता है, जिसके कारण इसका नाम डिवाइस टू रूट आउट डेविल रखा गया है। इसका मतलब 'शैतान को जड़ से उखाड़ने का यंत्र।' इस चर्च की ऊंचाई करीब 7 मीटर और चौड़ाई 3 मीटर है। कनाडा आने वाले पर्यटकों के बीच यह चर्च आकर्षण का केंद्र है।

नाचता मकान

नीदरलैंड में स्थित एक घर को देखकर आपको ऐसा लगेगा कि मकान नाच रहा है। इस अनोखे मकान का नाम दो प्रसिद्ध डांसर फ्रेड एस्टेयर और जिंजर रॉजर्स के नाम पर रखा गया है। इस इमारत के दो हिस्से हैं। पहले भाग को शीशे से बनाया गया है, वहीं दूसरा हिस्सा सीधा है। इस मकान में कुल 9 मंजिलें हैं।

टोकरी जैसा ऑफिस

ओहियो के नेवार्क शहर में एक ऑफिस का आकार लकड़ी की टोकरी जैसा है। यह इमारत लॉन्ग बर्गर का मुख्यालय है, जो की लकड़ी की टोकरी बनाने वाली एक कंपनी थी। इस इमारत का निर्माण 1997 में हुआ था। इसके सात मंजिलों के निर्माण में लगभग 3 करोड रुपए खर्च हुए थे। इस इमारत में ऊपर स्टील के दौरान जल दिए गए हैं और नीचे की टोकरी का आकार है।

जूते के आकार का घर

पेंसिलवेनिया जाने वाले पर्यटकों को हैंस शू हाउस को जरूर देखना चाहिए। इस घर का आकर जूते की तरह है। यह विचित्र इमारत हेलन टाउनशिप में स्थित है। दुनियाभर से पर्यटक इस बिल्डिंग को देखने आते हैं।

पुस्तकालय के आकार की इमारत

यूनाइटेड स्टेट्स के मिजूरी में कंसास सिटी एक पुस्तकालय के आकार की है। इसे बाहर से देखने पर ऐसा लगता है कि कई सारी किताबें रखी गई हों। इस अनोखी इमारत का आकार 25 से 9 फीट है। इस लाइब्रेरी की दक्षिणी दीवार पर 22 किताबों के अनोखे डिजाइन को इमारत बनाया गया है।

गर्मी में घूमने के लिए यह हैं बेहतरीन जगहें

जब गर्मी का मौसम आता है तो मन करता है कि किसी ठंडी जगह पर जाकर रहा जाए। चिलचिलाती गर्मी सिर्फ तन को ही नहीं, मन को भी झिंझोड़कर रख देती हैं। ऐसे में समर वेकेशन में हम सभी किसी कूलिंग प्लेस पर जाना चाहते हैं। वैसे इस मौसम में घूमने के स्थान का चयन बेहद सोच-समझकर करना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बता रहे हैं, जहां पर आप गर्मी के दिनों में कुछ रिलैक्सिंग पल बिता सकते हैं–

मनाली

भारत में लोकप्रिय ग्रीष्मकालीन अवकाश स्थलों में से एक, हिमाचल प्रदेश में मनाली में प्राकृतिक सुंदरता, और रोमांच का बेहतरीन संगम है। सुरम्य शहर बर्फ से ढकी पर्वत चोटियों और ब्यास नदी द्वारा पोषित हरियाली से घिरा हुआ है। आपकी छुट्टी का मुख्य आकर्षण रोहतांग दर्रे पर बर्फ का आनंद लेना है।

मनाली में करने के लिए चीजें:

- हडिम्बा मंदिर, वन विहार हिमालयन निंगमापा गोम्पा मठ, क्लब हाउस आदि जगहों के दर्शनीय स्थल।
- सोलंग घाटी में साहसिक खेलों में शामिल हों।
- बर्फ का मजा लेने के लिए रोहतांग दर्रे पर जाएं।
- ब्यास नदी में रिवर राफ्टिंग करें।
- कुल्लू, मणिकरण गुरुद्वारा, जोगिनी जलप्रपात, अर्जुन गुफा, भृगु झील और वशिष्ठ हॉट-वाटर स्प्रिंग्स की यात्रा करें।
- सेब के बागों में जाएं।
- कैम्पिंग और ट्रेकिंग।

शिमला

भारत में गर्मी का मौसम बिताने के लिए शिमला एक आदर्श स्थान है। हिमाचल प्रदेश में इसे 'हिल स्टेशनों की रानी' कहा जाता है। यहां की जलवायु के कारण ही ब्रिटिश उपनिवेश यहां हर गर्मियों में बसते थे। कई आवास विकल्प हैं, और आश्चर्य है।

शिमला में करने के लिए चीजें:

- कालका से शिमला के लिए टॉय ट्रेन की सवारी करें।
- व्हाइट वाटर राफ्टिंग करें।
- खाने, खरीदारी करने और आनंद लेने के लिए माल रोड के आसपास घूमें।
- मॉल के पास खूबसूरत क्राइस्ट चर्च की सैर करें।
- जाखू हनुमान मंदिर तक ट्रेक करें।
- वाइसरीगल लॉज, क्राइस्ट चर्च आदि की ब्रिटिश वास्तुकला का अन्वेषण करें।
- कुफरी, चैल और मशोबरा की यात्रा, खूबसूरत पहाड़ी पर्यटन स्थल को एक्सप्लोर करें।

दार्जिलिंग

पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग उत्तर पूर्व में लोकप्रिय समर हॉलिडे गेटवे में से एक है। हरी चाय के बागानों से घिरा, पहाड़ी शहर एक आरामदायक गर्मी की छुट्टी के लिए एकदम सही है। प्रकृति और मनुष्य द्वारा बनाए गए सुंदर स्थलों को एक्सप्लोर करें। मठों में तिब्बती जड़ों के बारे में जानें। मनोरंजक व्यवहार, खरीदारी और बहुत कुछ में शामिल हों।

दार्जिलिंग में करने के लिए चीजें:

- पहाड़ी शहर में जाने के लिए टॉय ट्रेन की सवारी करें।
- बतासिया लूप और गोरखा युद्ध स्मारक में आनंद लें।
- हैप्पी वैली टी एस्टेट में चाय बागानों को एक्सप्लोर करें।
- टाइगर हिल से राजसी सूर्योदय देखें।
- पद्मजा नायडू जूलॉजिकल पार्क में वन्यजीवों को एक्सप्लोर करें।
- माल रोड पर खरीदारी करें।

मुन्नार

भारत का अपना देश कहा जाने वाला केरल भारत में लोकप्रिय हॉलिडे डेस्टिनेशन में से एक है। पश्चिमी घाट की हरी-भरी गोद में बसा मुन्नार गर्मी बढ़ने पर एक सुखद पलायन है। अपने खूबसूरत नजारों, चाय के बागानों, अनोखे वनस्पतियों और जीवों, मसालों की सुगंध और सुहावने मौसम के लिए प्रसिद्ध है।

मुन्नार में करने के लिए चीजें:

- चाय बागानों की हरी-भरी सुंदरता का आनंद लें।
- कुंडला झील, इको पॉइंट और एलिफेंट लेक पर जाएं।
- अनामुडी पीक के लिए ट्रेक करें
- टाटा टी म्यूजियम को एक्सप्लोर करें।
- ट्री हाउस में रहें।
- इको पॉइंट तक ट्रेकिंग, माउंटेन बाइकिंग, कुंडला झील में शिकारा की सवारी।
- कार्मेलागिरी हाथी पार्क में हाथी सफारी।

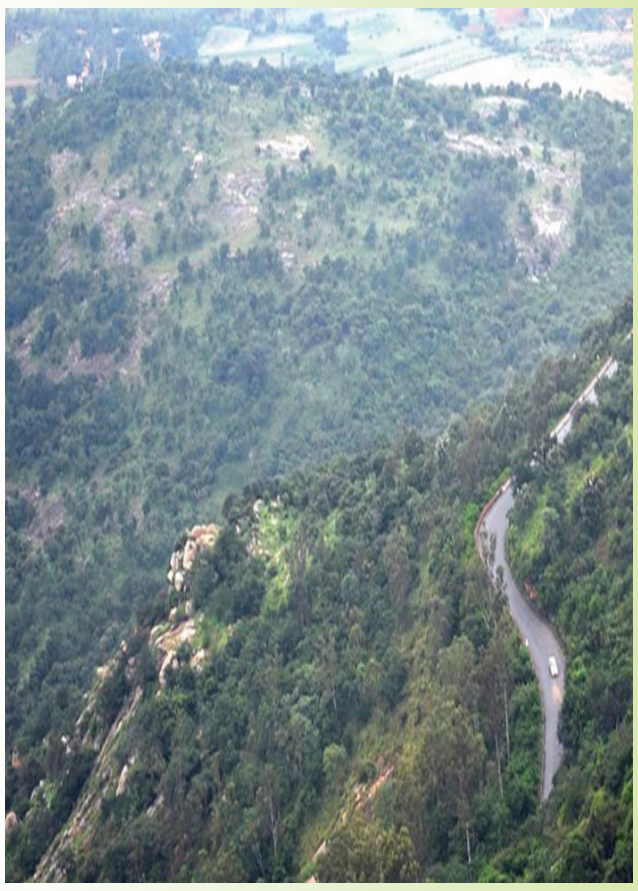

कर्नाटक के कुछ बेहतरीन हिल स्टेशन, एक बार जरूर जाएं घूमने

भारत के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में स्थित खूबसूरत राज्य कर्नाटक अपने हाई-टेक हब, नाइटलाइफ़, भव्य महलों, पुराने मंदिरों और वन्यजीव अभयारण्यों के लिए जाना जाता है। हालांकि, इस राज्य में हरे-भरे वातावरण और शांति प्रदान करते कई हिल स्टेशन भी हैं। जो लोग शहर की भीड़भाड़ से दूर प्रकृति के बीच कुछ शांत समय बिताना चाहते हैं, वह इन हिल स्टेशनों में जा सकते हैं। हरी-भरी पहाड़ियों, झरनों और सुविधाजनक स्थानों से लेकर ऐतिहासिक आकर्षणों और एड्रेनालाईन गतिविधियों तक, कर्नाटक के हिल स्टेशनों में बहुत कुछ है। तो चलिए आज हम आपको कर्नाटक के कुछ बेहतरीन हिल स्टेशनों के बारे में बता रहे हैं–

चिकमगलूर, कर्नाटक

चिकमगलूर चाय और कॉफी के बागानों, दूधिया-सफेद झरनों और खूबसूरत पार्कों से भरपूर है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थान हेब्बे फॉल्स, कल्लाथिगिरी फॉल्स, हनुमना गुंडी फॉल्स, भद्रा वन्यजीव अभयारण्य, महात्मा गांधी पार्क, कॉफी संग्रहालय, हिरेकोले झील, कोडंदरामा मंदिर आदि हैं। अगर आप यहां पर हैं तो चाय और कॉफी के बागानों में टहलें, उच्चतम मुल्लायनगिरी चोटी पर जाएँ, क्यातनामक्की में सुंदर दृश्यों का आनंद लें, अमृतेश्वर और विद्याशंकर मंदिर में जाएं।

नंदी हिल्स, कर्नाटक

4849 फीट की ऊंचाई पर स्थित नंदी हिल्स कर्नाटक के सबसे प्रसिद्ध हिल स्टेशनों में से एक है। हरे भरे परिवेश, ट्रेकिंग ट्रेल्स और आश्चर्यजनक दृश्यों के अलावा, इस जगह में कई स्मारकों और मंदिरों के साथ एक लोकप्रिय ऐतिहासिक किला भी है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थान टीपू की बूंद, टीपू का ग्रीष्मकालीन निवास, अमृता सरोवर, भोग नंदीश्वर मंदिर, ब्रह्मश्रम, नेहरू निलय, ग्रोवर ज़म्पा वाइनयार्ड आदि है।

सिरसी, कर्नाटक

घने जंगलों के बीच बसा कर्नाटक का यह आकर्षक हिल स्टेशन, बैंगलोर से एक आदर्श वीकेंड गेटवे है। विविध वन्यजीवों से भरे घने उष्णकटिबंधीय जंगलों से लेकर सुरम्य झरनों और हरी-भरी पहाड़ियों तक, सिरसी की प्राकृतिक सुंदरता आपको मंत्रमुग्ध कर देगी। अगर आप यहां पर हैं तो मुरेगर फॉल्स, शिवगंगा फॉल्स, बुरुड फॉल्स, उंचल्ली फॉल्स, विभूति फॉल्स, मरिकंबा मंदिर, श्री महागणपति मंदिर, गुडवी पक्षी अभयारण्य आदि जगहों को जरूर एक्सप्लोर करें।

माले महादेश्वर या एमएम हिल्स, कर्नाटक

सात पहाड़ी श्रृंखलाओं, एमएम हिल्स समुद्र तल से 3200 फीट की ऊंचाई पर स्थित है और 'स्वयंभू' या स्वयं प्रकट रूप में भगवान शिव के साथ एक प्राचीन मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। धार्मिक स्थलों के अलावा, यह स्थान वनस्पतियों और जीवों में समृद्ध है, जो इसे वन्यजीव प्रेमियों और एड्रेनालाईन के दीवाने लोगों के बीच एक लोकप्रिय आकर्षण बनाता है। यहां पर आने वाले हर यात्री को श्री माले महादेश्वर मंदिर, थाला बेट्टा, नागमाले हिल्स आदि जगहों पर जरूर जाएं। साथ ही घने जंगलों में हाथियों और अन्य जानवरों को देखना ना भूलें।

गंगामूला, कर्नाटक

हरे-भरे और घने जंगलों से घिरा गंगामूला उन लोगों के लिए एक आदर्श स्थान है जो प्रकृति की गोद में क्वालिटी टाइम बिताना चाहते हैं। हिल स्टेशन एक धुंधली जलवायु और आश्चर्यजनक परिदृश्य और आकर्षण का आनंद लेता है। यह स्थान तीन महत्वपूर्ण नदियों- तुंगा, भद्रा और नेत्रावती का उद्गम स्थल होने के लिए भी प्रसिद्ध है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थानों में हनुमना गुंडी जलप्रपात, श्री अन्नपूर्णेश्वरी मंदिर, सिरिमाने जलप्रपात, गोमतेश्वर प्रतिमा, चतुर्मुख बसदी, श्री वेंकटरमण मंदिर, अंबा तीर्थ आदि शामिल है। अगर आप यहां पर हैं तो कुरिंजल पीक और नरसिम्हा पर्वत के लिए ट्रेक, कुद्रेमुख राष्ट्रीय उद्यान की प्राकृतिक सुंदरता को देखें। भगवती प्रकृति शिविर में प्रकृति की सैर, जीप सफारी और ट्रेकिंग का आनंद लें।

गर्मियों की छुट्टियों में घूमने का प्लान बना रहे हैं तो भूलकर भी इन जगहों पर न जाएं वरना पड़ेगा पछताना

हर साल गर्मियों की छुट्टी में लोग कहीं ना कहीं घूमने जाते हैं। यह एक ऐसा समय होता है जब आप अपने परिवार के साथ अच्छा समय बिताते हैं और खूब मौज मस्ती करते हैं। ऐसे में गर्मियों की छुट्टियों में भारत की कई जगहों पर सैलानियों की भारी भीड़ देखने को मिलती है। लेकिन गर्मियों में कहीं भी घूमने का प्लान बनाने से पहले वहां का तापमान जरूर देख लें। गर्मियों में तेज धूप और लू में कहीं बाहर घूमना किसी सिरदर्द से कम नहीं है। ऐसा में अगर आप किसी ऐसी जगह घूमने का प्लान बना लेते हैं जहां भीषण गर्मी होती है तो आपका समय और पैसा दोनों बर्बाद होंगे। आज के इस लेख में हम आपको बताएंगे कि गर्मियों में कहां जाने से बचना चाहिए –

आगरा, उत्तर प्रदेश

वीकेंड ट्रिप के लिए लोग अक्सर आगरा घूमने का प्लान बनाते हैं। यहाँ पर मौजूद दुनिया के सातवें अजूबे को देखने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं। आगरा में घूमने के लिए और भी कई बेहतरीन जगहें हैं। लेकिन गर्मी में यहाँ घूमना आपके लिए सिरदर्द बन सकता है। दरअसल, गर्मियों के मौसम में आगरा का तापमान बहुत बढ़ जाता है। तेज धूप में संगमरमर से बना ताजमहल भी तपने लगता है और आप कहीं बाहर भी नहीं घूम सकते हैं। इसलिए यहाँ गर्मियों में जाने का प्लान ना ही बनाएं।

जैसलमेर, राजस्थान

राजस्थान का जैसलमेर न केवल भारतीय बल्कि विदेशी पर्यटकों की लिस्ट में भी शामिल है। जैसलमेर को गोल्डन सिटी के नाम से भी जाना जाता है। यहाँ हर साल दुनिया भर से लाखों पर्यटक आते हैं और सफारी का लुफ्त उठाते हैं। खाना की गर्मियों में जिप्सी गिरी शहर में घूमना काफी कठिन हो सकता है। गर्मियों में जैसलमेर का टेंपरेचर 40 डिग्री सेल्सियस के पार चला जाता है। इतनी भीषण गर्मी में जैसलमेर की यात्रा करना अच्छा आइडिया नहीं है।

गोवा

घूमने के शौकीन लोगों की लिस्ट में गोवा का नाम सबसे ऊपर आता है। यहां लोग अपने दोस्त या पार्टनर के साथ मौज मस्ती करने के लिए पहुंचते हैं। यहां के खूबसूरत बीच, नाइटलाइफ और खुला माहौल युवाओं को अपनी ओर आकर्षित करता है। लेकिन गर्मियों के मौसम में गोवा घूमने का प्लान बनाने से पहले एक बार जरूर सोच लें। गर्मियों में तेज धूप में आप ठीक तरह से घूम नहीं पाएंगे और आपके पैसे सिर्फ बर्बाद ही होंगे।

चेन्नई, दक्षिण भारत

दक्षिण भारत का चेन्नई शहर घूमने के लिहाज से बेहतरीन है। यहां कई सारे मंदिर, बीच और अन्य दार्शनिक स्थल हैं। लकी गर्मियों में यहां का पर बहुत अधिक बढ़ जाता है। ऐसे में गर्मियों के मौसम में चेन्नई में घूमना मुश्किल हो जाता है। इसलिए आप गर्मियों में चेन्नई घूमने का प्लान ना ही बनाएं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वक्फ संशोधन कानून धार्मिक मामलों में दखल, सुप्रीम कोर्ट में सिब्बल ने रखी दलील, सीजेआई बोले- समय कम, मुद्दे की बात करें

नई दिल्ली।

वक्फ संशोधन कानून को लेकर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को दोपहर दो बजे से सुनवाई शुरु की गई। वक्फ कानून के खिलाफ देशभर से दायर की गई याचिकाओं पर चीफ जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की तीन जजों की पीठ सुनवाई कर रही है। हालांकि, मौजूदा समय में वक्फ से जुड़े सभी मामलों की सुनवाई नहीं हो सकी है। वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि वक्फ संशोधन कानून संविधान के अनुच्छेद 26 का उल्लंघन करता है, क्योंकि यह धार्मिक समुदायों के आस्था और उनके धार्मिक संस्थानों के संचालन के अधिकारों में हस्तक्षेप करता है। उन्होंने इसे बुनियादी धार्मिक जरूरतों का अतिक्रमण करार दिया। अधिवक्ता सिब्बल ने अदालत को बताया कि 1995 के वक्फ कानून के तहत सेंट्रल वक्फ काउंसिल के सभी सदस्य मुस्लिम होते थे, जैसा कि धर्मार्थ संस्थानों के लिए परंपरा है - जैसे हिंदू संस्थानों में हिंदू सदस्य और सिख संस्थानों में सिख। उन्होंने कहा कि नया संशोधन इस परंपरा और संतुलन को तोड़ता है।

सीजेआई बोले- समय कम है मुद्दे की बात कहें

सुनवाई के दौरान सीजेआई संजीव खन्ना ने अधिवक्ता सिब्बल से कहा, कि हमारे पास समय सीमित है, कृपया सिर्फ प्रमुख और जरूरी बिंदुओं पर ध्यान दें। उन्होंने प्रावधानों को लेकर उठे सवालों पर भी स्पष्ट किया कि कानून में समयसीमा तय करने को असंवैधानिक नहीं ठहराया जा सकता। यहां जस्टिस विश्वनाथन ने कहा, कि संपत्ति और धर्म को अलग रखा जाना चाहिए। संपत्ति का मामला अलग है, सिर्फ उसका प्रबंधन ही धार्मिक दायरे में आ सकता है। बार-बार यह कहना ठीक नहीं कि ये जरूरी धार्मिक कार्य है।

लिमिटेशन एक्ट पर विवाद

वरिष्ठ अधिवक्ता सिब्बल ने एक और बिंदु पर गंभीर चिंता जताई कि संशोधित कानून में दावा करने की समयसीमा केवल दो साल रखी गई है। कई वक्फ संपत्तियां अब तक रजिस्टर्ड नहीं हैं, ऐसे में समयसीमा का पालन कैसे हो? उन्होंने कहा कि इस प्रावधान से अतिक्रमण करने वालों को कानूनी फायदा मिल जाएगा। इस पर सीजेआई ने कहा, कि सिर्फ समयसीमा तय करना इसे असंवैधानिक नहीं बनाता।

वक्फ कानून के खिलाफ याचिकाकर्ताओं की लंबी सूची है। याचिकाएं दायर करने वालों में प्रमुख राजनीतिक और धार्मिक हस्तियों की बात करें तो कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद, एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी, आरजेडी से मनोज कुमार झा, टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा, एसपी सांसद जिया-उर-रहमान, दिल्ली के आप विधायक अमानतुल्लाह खान, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड, जमीयत उलेमा-ए-हिंद, डीएमके, आईयूएमएल, वायएसआरसी, तमिल अभिनेता विजय और एपीसीआर (सिविल राइट्स संगठन) के नाम प्रमुख हैं।

हस्तक्षेप याचिकाएं भी दायर

इसके दूसरी तरफ राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, महाराष्ट्र, असम, उत्तराखंड, और छत्तीसगढ़ की राज्य सरकारों ने इस कानून के समर्थन में हस्तक्षेप याचिकाएं दायर की हैं। केंद्र सरकार ने पहले से ही कैविएट दाखिल कर रखा है ताकि कोई भी निर्णय हो उससे पहले सरकार को सूचित किया जाए।

संक्षिप्त समाचार

डसॉल्ट एविएशन ने भारत सरकार से मांगी जमीन

नोएडा। फ्रांसीसी विमान बनाने वाली कंपनी डसॉल्ट एविएशन भारत में निवेश की इच्छुक है। इसलिए कंपनी ने भारत सरकार से जमीन मांगी है। वे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के दूसरे चरण में एफडीआई करना चाहते हैं। यमुना अथॉरिटी डसॉल्ट एविएशन को जमीन देने की तैयारी में है। यहां भारतीय वायुसेना के राफेल और मिराज-2000 जैसे लड़ाकू विमानों की मरम्मत भी होगी। डसॉल्ट एविएशन कंपनी भारत में सीधे विदेशी निवेश (एफडीआई) करना चाहती है। इसके लिए उन्होंने सरकार से जमीन की मांग की है। कंपनी नोएडा एयरपोर्ट के दूसरे चरण में पैसा लगाना चाहती है। यमुना अथॉरिटी कंपनी को जमीन देने के लिए काम कर रही है। अथॉरिटी का कहना है कि एयरपोर्ट के पास ही राफेल और मिराज- 2000 जैसे विमानों की मरम्मत का काम भी होगा। रिपोर्ट में कहा गया है, भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान राफेल और मिराज-2000 की मरम्मत और रखरखाव का कार्य भी एयरपोर्ट परिसर में होगा। अब इन विमानों की सर्विसिंग और रिपेयरिंग एयरपोर्ट के पास ही हो जाएगी।

नेशनल हेराल्ड केस में राहुल-सोनिया गांधी के खिलाफ चार्जशीट, बिहार में प्रदर्शन कर रही कांग्रेस

पटना। बिहार की राजधानी पटना में कांग्रेस ने नेशनल हेराल्ड केस में राहुल-सोनिया गांधी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल करने के विरोध में प्रदर्शन किया है। आयकर विभाग चौराहे पर प्रदर्शन में प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू, विधानमंडल दल के नेता डॉ.शकील अहमद खान सहित पार्टी के नेता और कार्यकर्ता मौजूद हैं। प्रदर्शन के दौरान प्रदेश प्रभारी ने कहा, पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह जनता के लिए काम नहीं कर रहे हैं। ईडी, सीबीआई और प्रशासन केंद्र सरकार के इशारे पर काम कर रही है। इसकारण मजबूरन हम लोगों को सड़क पर उतरना पड़ा है। वहीं, दिल्ली में तेजस्वी के साथ हुई मीटिंग पर कहा, मंगलवार को दिल्ली में मीटिंग अच्छी रही। अब पटना में भी महत्वपूर्ण बैठक होगी। जिसमें गठबंधन में शामिल सभी दलों के प्रतिनिधि शामिल होने वाले है। हम एकजुट होकर एनडीए को हराएंगे। डॉ. शकील अहमद खान ने बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार चाहती ही नहीं है कि देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था बनी रहे। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सवाल किए जाते हैं। संसद के अंदर और बाहर सवाल पूछे जाने पर जवाब नहीं मिलता। इसके बदले में विपक्षी दलों को प्रताड़ित किया जा रहा है।

ट्रेन कोच में खड़े तो पति-पत्नी, बदबू आने पर ली तलाशी तो निकले कछुआ तस्कर

रेलवे पुलिस ने दुर्लभ प्रजाति के 27 कछुए किए बरामद, ले जा रहे थे बंगाल

पटना। दानापुर मंडल की रेल पुलिस ने पति-पत्नी समेत 4 तस्करों को गिरफ्तार किया है। तस्करों के पास से दुर्लभ प्रजाति के 27 कछुए बरामद किए हैं। जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 15 से 20 लाख बताई जा रही है। यूपी के सुल्तानपुर से खेप लाई जा रही थी। डिलीवरी पश्चिम बंगाल में की जानी थी। रेल एसपी ने बताया कि बक्सर रेलवे स्टेशन पर फरक्का एक्सप्रेस में कोच नंबर एस-2 में शौचालय के पास चार लोग खड़े थे। बैग से दुर्गंध आ रही थी, जिसके बाद बैग की तलाशी ली गई। इस दौरान इंडियन सॉफ्ट सेल टर्टल प्रजाति के 27 कछुए बरामद किए। जानकारी के मुताबिक ये प्रजाति अब विलुप्त होने के कगार पर है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान यूपी के सुल्तानपुर निवासी विनोद और उमेश कुमार के रूप में हुई है। पूछताछ में तस्करों ने बताया कि इसे अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचने की योजना थी।

मिनी टरबाइन से छोटे-छोटे गांव में बिजली की सप्लाई

मुंबई। भारत सरकार और राज्य सरकारें छोटे-छोटे प्रयासों में कभी रुचि नहीं लेती हैं। नाही उन्हें प्रोत्साहित किया जाता है। मुंबई की स्वाति मेनी जो मैकेनिकल इंजीनियर हैं। वह पिछले 10 सालों से विदेश में नौकरी कर रही थी। वहां से नौकरी छोड़कर वापस स्वदेश लौटी हैं। उन्होंने एक मिनी टरबाइन बनाई है। गांव में उपलब्ध जल के आसपास इस मिनी टरबाइन के जरिए गांव को बिजली उपलब्ध कराने का काम उनके द्वारा किया जा रहा है। स्वाति ने महाराष्ट्र के गढ़चिरौली और अमरावती जिले में छोटी नेहरों और जलधाराओं से मिनी टरबाइन को जोड़कर गांवों में बिजली उपलब्ध कराने का सफलतापूर्वक कार्य किया है। भारत में इस तरह का काम सरकारी स्तर पर प्रोत्साहित किया जाए, तो बिजली की बहुत बड़ी समस्या अपने आप हल हो सकती है। गांव-गांव में बिजली का उत्पादन हो सकता है। इसके लिए बड़े-बड़े कारखाने लगाने की जरूरत भी नहीं होगी। ना बड़ी-बड़ी लाइने बिछाने की जरूरत होगी। बहुत कम खर्चे में आसानी से गांव गांव में बिजली भी उपलब्ध होगी।

इजराइल के करीबी जार्डन को दहलाने की साजिश नाकाम

मुस्लिम ब्रदरहूड से जुड़े 16 लोग अरेस्ट

अम्मान।

ईरानी मिसाइल हमलों के दौरान इजरायल के खिलाफ कवच बनने वाले मुस्लिम देश जॉर्डन को रॉकेट और किलर ड्रोन से दहलाने की साजिश नाकाम हुई है। जॉर्डन सरकार ने खुलासा किया कि प्रशासन ने मुस्लिम ब्रदरहूड से जुड़े 16 लोगों को अरेस्ट किया है। इन सभी लोगों को लेबनान में ट्रेनिंग और पैसा मिला था। इन लोगों ने रॉकेट और ड्रोन से भीषण हमले की साजिश रची थी। अधिकारियों ने कहा कि कम से कम एक रॉकेट हमला करने के लिए पूरी तरह से तैयार था। मुस्लिम ब्रदरहूड सहित कई कट्टरपंथी संगठन जॉर्डन सरकार पर इजरायल की मदद करने के आरोप लगाते रहे हैं। जॉर्डन के सूत्र ने कहा कि ये सभी संदिग्ध मुस्लिम ब्रदरहूड से जुड़े हुए थे जो हमास और जॉर्डन के सबसे बड़े विपक्षी गुट के सहयोगी हैं। हमले की साजिश करने वाले गुट के कमांडर ने लेबनान में उन्हें ट्रेनिंग दी थी। बात दें कि लेबनान हिज्बुल्लाह का गढ़ है। हमास और मुस्लिम ब्रदरहूड मिलकर इजरायल पर 7 अक्टूबर को हुए हमले के बाद जॉर्डन में सरकार विरोधी आंदोलन को हवा दे रहे हैं। पैगंबर मोहम्मद साहब के वंशज कहे जाने वाले जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला द्वितीय को अमेरिका का खुला समर्थन है। जॉर्डन में अमेरिकी सेना का एयरबेस भी मौजूद है। जॉर्डन में बड़ी तादाद में फलस्तीनी रहते हैं। जॉर्डन के खुफिया विभाग ने कहा कि सुरक्षा बलों ने एक रॉकेट और हमलावर ड्रोन बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। इस साजिश का उद्देश्य जॉर्डन की राष्ट्रीय सुरक्षा को नुकसान पहुंचाना, अव्यवस्था फैलाना और संपत्तियों को नष्ट करना था। जॉर्डन सरकार के प्रवक्ता मोहम्मद मोमानी ने कहा कि देश के सुरक्षा बलों ने अम्मान शहर के बाहरी इलाके में रॉकेट बनाने की इस खुफिया फैक्ट्री का पता लगाया। सरकार ने बताया यह रॉकेट 3 से 5 किमी तक हमला करने की क्षमता रखता है। इससे इजरायल के पड़ोसी जॉर्डन के अंदर ही हमले की तैयारी थी। एक सुरक्षा सूत्र ने कहा कि कई दर्जन रॉकेट मिले हैं। सैन्य विशेषज्ञों का कहना है कि रॉकेट और ड्रोन एक तरह से नई रणनीति है। इसका मतलब है कि मुस्लिम ब्रदरहूड ने जॉर्डन के साथ निपटने की अपनी पूरी रणनीति को बदल दिया है। अब जॉर्डन के सुरक्षा बलों को निशाना बनाया जा रहा है। जॉर्डन ने साल 1999 में हमास को बाहर किया था और तब से वहां स्थिरता और शांति है।

आतंक की फैक्ट्री चलाने वाले पाक को भारत की दो टूक कहा- हमे मत बताओ खुद का रिकॉर्ड देखो

नई दिल्ली।

पाकिस्तान की यह पुरानी आदत है कि वो अपने गिरेबान में तो झांकना नहीं है और बात-बात पर भारत को ज्ञान देने का कोई मौका नहीं छोड़ता। इसी कड़ी में हाल ही में पाकिस्तान की तरफ से वक्फ कानून के विरोध में एक बयान जारी किया गया था। भारत सरकार ने पाकिस्तान को उसी की भाषा में जवाब देते हुए साफ-साफ कह दिया कि वो पाकिस्तान में हिन्दू सहित अन्य अल्पसंख्यकों की हालात को देखे। भारत को पाठ पढ़ाने की जगह वो पहले अपने गिरेबान में झांक कर देख ले। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इसी कड़ी में वक्फ पर पाकिस्तान की टिप्पणी को लेकर सवाल पूछा गया। उन्होंने कहा, 'हम भारत की संसद द्वारा पारित वक्फ कानून पर पाकिस्तान द्वारा की गई प्रेरित और निराधार टिप्पणियों को दृढ़ता से खारिज करते हैं। पाकिस्तान को भारत के आंतरिक मामले पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करने के मामले में पाकिस्तान को दूसरों को उपदेश देने के बजाय अपने खुद के खराब रिकॉर्ड पर गौर करना चाहिए। इससे पहले, पाकिस्तानी सरकार ने भारतीय लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 को मस्जिदों और दरगाहों सहित मुसलमानों को उनकी संपत्तियों से बेदखल करने और अल्पसंख्यकों को हाशिए पर डालने वाला कानून करार दिया था। कहा गया था कि यह कानून भारतीय मुस्लिम समुदाय की स्वायत्तता को कमजोर

करने वाला कदम है। पाकिस्तानी मीडिया में मुस्लिम समाज की भूमि हड़पने और मुस्लिम संपत्तियों पर नियंत्रण का प्रयास करार दिया था। केंद्र सरकार ने वक्फ विधेयक मौजूदा बजट सत्र में पेश किया। इस दौरान लंबी चर्चा के बाद आधी रात को विधेयक पास किया गया। दोनों सदनों से मंजूरी मिलने के बाद इस विधेयक को राष्ट्रपति के पास साइन करने के लिए भेजा गया।

अपनी मर्जी से शादी की है तो सुरक्षा मांगने का कोई कानूनी अधिकार नहीं

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा- वास्तविक खतरा होने पर ही सुरक्षा की गुहार लगाएं

प्रयागराज।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस सौरभ श्रीवास्तव ने चित्रकूट की श्रेया केसरवानी और अन्य की याचिका का निपटारा करते हुए कहा कि अपनी मर्जी से शादी करने से जोड़े को सुरक्षा की मांग करने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। यदि उनके साथ दुर्व्यवहार या मारपीट होती है तो कोर्ट और पुलिस उनके बचाव में आएगी। उन्हें एक-दूसरे के साथ खड़े होकर ही समाज का सामना करना चाहिए। हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि जिन्होंने अपनी मर्जी से शादी कर ली हो, कोर्ट ऐसे युवाओं को सुरक्षा देने के लिए नहीं है। सुरक्षा की गुहार लगाने के लिए उन्हें वास्तविक खतरा होना चाहिए। जानकारी के मुताबिक चित्रकूट में युवक ने लव मैरिज की थी। इसके बाद कोर्ट में सुरक्षा को लेकर याचिका दायर की। कोर्ट ने सुनवाई करते हुए कहा कि याचिकाकर्ताओं ने एसपी चित्रकूट को प्रार्थना पत्र दिया है। पुलिस वास्तविक खतरे की स्थिति

को देखकर कानून के मुताबिक जरूरी कदम उठाए। याचियों ने कोर्ट में अपील की थी कि हमारे जीवन में विपक्षी हस्तक्षेप न करें। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ताओं पर ऐसा कोई खतरा नहीं दिख रहा, जिसके आधार पर उन्हें पुलिस संरक्षण दिया जाए। दूसरे पक्ष की तरफ से याचियों पर शारीरिक या मानसिक हमला करने का कोई सबूत नहीं है। याचियों ने विपक्षियों के किसी आचरण को लेकर मामला दर्ज करने की पुलिस को कोई अर्जी भी नहीं दी है। इसलिए पुलिस सुरक्षा देने का कोई केस नहीं बनता है।

पैसे देकर बाहरी लोगों को बुलाया, बंगाल में हिंसा के लिए बीजेपी जिम्मेदार

सीएम ममता ने कहा- कई जगह वक्फ संपत्तियों पर हिंदू परिवार भी रहते हैं

कोलकाता।

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने एक कार्यक्रम में बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने राज्य में भड़की हिंसा के लिए भी बीजेपी को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि पैसा देकर बाहरी लोगों को बुलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वक्फ की संपत्तियों में हिंदुओं को सोशल वेलफेयर के लिए वक्फ ने दान दिया है। आज कई जगहों पर वक्फ संपत्तियों पर हिंदू परिवार रहते हैं। उन्होंने बीजेपी पर स्टेट वक्फ बोर्ड तोड़ने और उसका नियंत्रण आपने हाथों में लेने का आरोप लगाया। उन्होंने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि देश में आपकी सिंगल मैजोरिटी नहीं है, फिर यह कैसे कर रहे हैं?

उन्होंने बीजेपी के मनमानी के लिए चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार को भी घेरते हुए कहा कि आप दोनों क्यों चुप हैं? क्या आपने उन्हें वोट नहीं दिया? अगर वक्फ में बदलाव करना था, तो संविधान संशोधन क्यों नहीं किया? आपने चालाकी से बिल पास कराया। ममता ने बीजेपी पर सांप्रदायिक तनाव भड़काने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने रामनवमी के दिन दंगे भड़काने की योजना बनाई थी, लेकिन जनता ने इसे नाकाम कर दिया।

उन्होंने कहा कि हर समाज में कुछ गद्दार होते हैं जो पैसे लेकर अपनी ही जड़ें काटते हैं। अगर आपको विरोध करना है, तो इंडोर स्टेडियम में करें, बाहर नहीं, क्योंकि वहां बीजेपी वाले हिंदू-मुस्लिम तनाव भड़काएंगे। ममता ने केंद्र सरकार और गृह मंत्री अमित शाह पर भी तंज कसा। उन्होंने पूछा कि मोदी सरकार को इतनी जल्दी क्यों है? बांग्लादेश की स्थिति का क्या पता? आप यूनुस के साथ चुपके-चुपके बैठक करते हैं, आपका योजना क्या है? उन्होंने शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि आप कभी पीएम नहीं बनेंगे। मोदीजी जब पीएम नहीं रहेंगे, तो आपको नीचे आना पड़ेगा। मोदीजी से कहूंगी कि इस व्यक्ति को नियंत्रित करें, जो सभी एजेंसियों को अपने कब्जे में रखे हुए है। भड़की हिंसा को लेकर उन्होंने कहा कि ये सुनियोजित सांप्रदायिक दंगे हैं।

ट्रेड वॉर से भारत चिंतित, आयात बढ़ाने कई देश भारतीय बाजार का कर सकते हैं रुख

नई दिल्ली।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ट्रेड वॉर का असर चीन पर सबसे ज्यादा है।

भारत पर इसका खास फर्क नहीं पड़ा है, लेकिन आने वाले दिनों को लेकर सरकार चिंतित है।

चिंता इसकी है कि अमेरिकी कृषि उत्पादों का आयात भारत में बढ़ सकता है। इसके अलावा चीन, वियतनाम और इंडोनेशिया की फैक्ट्रियों में बने माल का भी भारत में आयात बढ़ने की आशंका है। ऐसा इसलिए क्योंकि अमेरिका ने मोटा टैरिफ लगाया है। ऐसे में चीन समेत ये देश अपने माल के लिए भारतीय बाजार का रुख कर सकते हैं। इसके अलावा चीन ने भी जवाबी ऐक्शन में अमेरिका पर 125 फीसदी का टैरिफ लगा दिया है। इससे निपटने के लिए अमेरिका का फोकस भी भारतीय बाजार पर बढ़ सकता है।

यह स्थिति भारत के घरेलू बाजार के लिए चिंताजनक हो सकती है। पहले ही भारत चीन, अमेरिका जैसे देशों से वह व्यापारिक असंतुलन का सामना कर रहा है। अब यदि आयात में और इजाफा होता है तो असंतुलन बढ़ जाएगा।

एक सरकारी अधिकारी ने ऐसी आशंकाएं जाहिर करते हुए कहा कि एक आकलन किया गया है, जिसमें यह चिंता सामने आई है कि रेसिप्रोकल टैरिफ के चलते छिड़े ट्रेड वॉर का असर भारत पर नजर आ सकता है। सोयाबीन जैसे उत्पादों का अमेरिका की ओर से बड़े पैमाने पर चीन को आयात होता है।

ऐसी स्थिति से निपटने के लिए कॉमर्स मिनिस्ट्री ने एक हेल्पडेस्क शुरू की है। इसे ग्लोबल टैरिफ ऐंड ट्रेड हेल्पडेस्क नाम दिया गया है। इसके जरिए यह कोशिश की जाएगी कि इंपोर्ट को बढ़ने न दिया जाए और भारतीय उद्योगों एवं उत्पादों की स्थिति मजबूत बनी रहे।

अप्रैल की शुरुआत में मंत्रालय ने एक बैठक की थी, जिसमें मंथन हुआ कि ट्रेड वॉर के कारण कैसे इंपोर्ट बढ़ सकता है।

भारत के लिए यह इसलिए भी चिंता की बात है कि जब अमेरिका और चीन जैसे देश व्यापारिक असंतुलन दूर करने के लिए टैरिफ लगाने की बात कर रहे हैं, तब भारत में यह बढ़ सकता है।

वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि हम ऐसे देशों पर नजर बनाए हुए हैं, जो भारत में आयात बढ़ाने की कोशिश कर सकते हैं। कुछ खास उत्पादों पर भी हमारी नजर है।

(अरवल्ली) भाजपा-संघ को परास्त करने का रास्ता गुजरात से निकलेगा: राहुल गांधी

अरवल्ली।

7 लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी गुजरात दौरे के दूसरे दिन आज मोडासा पहुंचे, जहां उन्होंने अरवल्ली जिला कांग्रेस नेता के साथ बैठक की और बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया7 अपने संबोधन में राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस की शुरुआत गुजरात से हुई थी और भाजपा-संघ को परास्त करने का रास्ता भी गुजरात से निकलेगा7 राहुल गांधी ने आज मोडासा से संगठन सृजन अभियान का भी शुभारंभ कराया7 बता दें कि राहुल गांधी मंगलवार से दो दिवसीय गुजरात दौरे पर हैं7 बीते दिन राहुल गांधी ने अहमदाबाद में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति (एआईसीसी) और 183 प्रदेश कांग्रेस समिति (पीसीसी) के पर्यवक्षकों के साथ बैठक की थी7 साथ ही पर्यवेक्षकों से अगले 10 दिन सौंपे गए जिले की रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है, ताकि संबंधित जिले के संगठन में बदलाव करते हुए नए जिला अध्यक्ष की नियुक्त की जा सके। कांग्रेस ने हर एक जिले के केंद्रीय निरीक्षक के साथ 4 गुजरात निरीक्षकों की टीम गठित की है। गुजरात दौरे के दूसरे और अंतिम दिन अरवल्ली जिले के मोडासा में राहुल गांधी ने कांग्रेस संगठन में बदलाव की शुरुआत की7 उन्होंने मोडासा में संगठन सृजन अभियान का शुभारंभ कराया और अरवल्ली जिला कांग्रेस के नेताओं के साथ बैठक की और बूथस्तरीय कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया7 इस मौके पर राहुल गांधी ने कहा कि संघ और भाजपा को देश में पराजित करने का रास्ता गुजरात से निकलेगा7 देश में दो विचार धारा हैं7 एक भाजपा-संघ और एक ही कांग्रेस7 देश जानता है कि भाजपा-संघ को केवल कांग्रेस ही हरा सकती है7 उन्होंने कहा कि कांग्रेस की शुरुआत गुजरात से हुई थी और यहीं से भाजपा-संघ को हराने का रास्ता भी मिलेगा7 राहुल गांधी ने आगे कहा है कि हमारी चर्चा में जो मुख्य मुद्दा उभरकर आया वह यह था कि गुजरात के जिलों को अहमदाबाद से नहीं, बल्कि जिलों से ही चलाया जाना चाहिए। जिला नेताओं को मजबूत किया जाना चाहिए, विशेषकर जिला अध्यक्ष को जिम्मेदारी और अधिकार देकर। जिला अध्यक्ष अकेला नहीं होगा बल्कि एक पूरी

कमेटी होगी, जिसके सहयोग और निर्णयों से पूरे जिले का संचालन होगा और उस पर किसी प्रकार का दबाव नहीं होगा। कांग्रेस पार्टी संगठन ही तय करेगा कि कौन चुनाव लड़ेगा और कौन नहीं, और इस निर्णय में कोई दबाव नहीं होगा। हम यह काम गुजरात से शुरू कर रहे हैं। हमारी लड़ाई विचारधारा की है7 हम गुजरात में यह लड़ाई लड़ेंगे और जीतेंगे। राहुल गांधी ने माना कि वर्षों से गुजरात में कांग्रेस का मनोबल गिरा हुआ है, लेकिन अब हम पार्टी को मजबूत बनाएंगे7 पार्टी का मनोबल बढ़ाना मुश्किल नहीं है, हम उसे किसी भी कीमत पर पूरा करेंगे7 उन्होंने कहा कि अब रेस के घोड़े को रेस में दौड़ाएंगे और शादी के घोडे को शादी में नचाएंगे7

इस साल देश में होगी अच्छी बारिश, खरीफ फसलों को होगा फायदा

मौसम विभाग ने जताया अनुमान, महंगाई से मिलेगी राहत

नई दिल्ली।

2025 में देश में सामान्य से ज़्यादा बारिश होगी। यह बारिश पूरे औसत का करीब 105 फीसदी हो सकती है।

अगर ऐसा हुआ तो यह सरकार के लिए राहत होगी, क्योंकि इससे महंगाई को कम करने में मदद मिलेगी यह अनुमान मौसम विभाग ने लगाया है। निजी मौसम एजेंसी स्काइमेट ने पिछले हफ्ते कहा था कि इस साल जून से सितंबर के बीच होने वाला दक्षिण-पश्चिम मॉनसून सामान्य रहेगा और यह औसत का 103 फीसदी हो सकता है।

भारत में जून से सितंबर के बीच औसतन 87 सेंटीमीटर बारिश होती है। अगर यह 96 फीसदी से 104 फीसदी के बीच हो तो उसे सामान्य बारिश माना जाता है। विभाग ने कहा है कि इस बार बारिश के लिए मौसम के हालात अच्छे नजर आ रहे हैं। एल नीनो का असर पहले मौसम को बिगाड़ता था, अब वह कमजोर हो गया है। साथ ही समुद्र और बर्फबारी के हालात भी कुछ ऐसे ही हैं जो भारत में अच्छी बारिश का संकेत दे रहे हैं।

2024 में भी भारत में अच्छी बारिश हुई थी। पूरे देश में जून से सितंबर तक 935 मिमी बारिश हुई थी जो सामान्य से 8 फीसदी ज़्यादा थी।

यह पिछले तीन सालों में सबसे अच्छी बारिश थी। अगर इस साल भी अच्छी बारिश हुई तो खरीफ फसलें जैसे धान, मक्का की फसल अच्छी होगी। इससे खेतों में नमी बनी रहेगी, जिससे अगली रबी की फसल को फायदा होगा। बारिश से देश के जलाशयों में पानी भरने में भी मदद मिलेगी। अभी कई जलाशयों में पानी की कमी है। अच्छी बारिश से वहां भी हालात सुधरेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

रूस ने लगातार दूसरे दिन गिराई मिसाइल ; साल का सबसे बड़ा हमला

मास्को एजेंसी। युद्धविराम की सुस्त रफ्तार के बीच रूस की सेना का यूक्रेन पर बेरहम हमला जारी है। रूस ने लगातार दूसरे दिन यूक्रेन के बड़े शहर सूमी को निशाना बनाया। यह घटना तब हुई जब एक दिन पहले हमले में मारे गए लोगों को स्थानीय निवासियों द्वारा श्रद्धांजलि दी जा रही थी। बताया जा रहा है कि यह यूक्रेन पर साल का सबसे बड़ा हमला है। शहरवासी तबाही से उबरने की कोशिश कर रहा है। पिछले हमले में कम से कम 30 लोगों की जान चली गई थी और कई लोग घायल हो गए थे। रविवार पाम संडे के मौके पर जब यूक्रेनी चर्च पर इकट्ठा हुए थे, दो रूसी मिसाइलों ने सूमी को निशाना बनाया। इस भीषण हमले में 30 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी और दर्जनों घायल हुए थे। यह इस साल का सूमी पर सबसे घातक हमला बताया जा रहा है। सोमवार को जब लोग हमले के शिकार हुए नागरिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए एकत्र हुए, रूसी सेना ने एक और मिसाइल हमला कर दिया। फिलहाल इस हमले में हताहतों की संख्या की पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और कई लोगों को सुरक्षित स्थानों की ओर भागते देखा गया। सूमी प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि राहत और बचाव कार्य जारी हैं और घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। यूक्रेनी सरकार ने इसे जानबूझकर किया गया क्रूर और अमानवीय हमला करार दिया है। जेलेंस्की ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए रूस पर हैवानियत करने का आरोप लगाया है। इस ताजा हमले पर अब तक रूस की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने रूस पर नागरिक ठिकानों को निशाना बनाने का आरोप लगाया है।

सूडान में विद्रोहियों का शरणार्थी कैंप पर हमला, 400 से अधिक लोगों की मौत : संयुक्त राष्ट्र

खार्तूम, एजेंसी। सूडान में चल रहे संघर्ष के बीच एक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। संयुक्त राष्ट्र ने 'भरोसेमंद सूत्रों' के हवाले से जानकारी दी है कि देश के एक शरणार्थी शिविर पर हुए हमले में 400 से ज्यादा लोगों की जान चली गई है। यूएन के अनुसार, यह हमला सूडान में सक्रिय विद्रोही गुट रैपिड सपोर्ट फ़ोर्स ने किया है। पिछले सप्ताह भी इस गुट ने अल-फ़शर शहर के आसपास बसे शरणार्थी शिविरों पर ज़मीनी और हवाई हमले किए थे। सूडान में अप्रैल 2023 से आरएसएफ और सरकारी सेना के बीच सत्ता को लेकर संघर्ष जारी है। खासकर दारफ़ुर क्षेत्र में दोनों पक्षों के बीच नियंत्रण को लेकर हिंसक झड़पें हो रही हैं। इस संघर्ष के चलते लाखों लोग बेघर हो चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र ने पुष्टि की है कि गुरुवार से शनिवार के बीच कम से कम 148 लोगों की मौत हुई है, हालांकि यह भी कहा गया है कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। यूएन और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं हालात पर नज़र बनाए हुए हैं और वहां फंसे नागरिकों की मदद के लिए अपील कर रही हैं।

अल्जीरिया ने फ्रांस के 12 अधिकारियों को 48 घंटे में देश छोड़ने का आदेश दिया

अल्जीयर्स, एजेंसी। अल्जीरिया ने फ्रांस के 12 अधिकारियों को 48 घंटे में देश छोड़ने का आदेश दिया है, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। अल्जीरिया के विदेश मंत्रालय ने कहा कि फ्रांस में एक अल्जीरियाई काउंसलर की गिरफ्तारी के बाद यह फैसला लिया गया है। इसके लिए फ्रांस के गृह मंत्री ब्रूनो रिटेलो जिम्मेदार हैं। दोनों देशों के बीच हालिया विवाद 11 अप्रैल को शुरू हुआ था जब फ्रांस ने तीन अल्जीरियाई नागरिकों को गिरफ्तार कर लिया था। इनमें अल्जीरियाई काउंसलर भी शामिल थे। इन पर अप्रैल 2024 में एक अल्जीरियाई सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अमीर बौखोर्स का किडनैप करने का आरोप है। अमीर 2016 से फ्रांस में रह रहे हैं। साल 2023 में उन्हें वहां राजनीतिक शरण मिल गई थी। वह अल्जीरियाई सरकार की आलोचना के लिए जाने जाते हैं। अमीर का पेरिस से अपहरण हुआ था। उन्हें 27 घंटे तक बंधक रखा गया और फिर छोड़ दिया गया। फ्रांस की जांच में पता चला कि इस अपहरण में एक अल्जीरियाई काउंसलर का भी हाथ हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक काउंसलर का फोन अमीर के घर के आसपास देखा गया था। इसके बाद फ्रांस ने तीन अल्जीरियाई लोगों को किडनैपिंग, अवैध हिरासत और आतंकी संगठन से जुड़े होने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। अल्जीरिया ने इस कार्रवाई को गलत बताया और कहा कि उनके काउंसलर को बिना किसी डिप्लोमैटिक सूचना के सार्वजनिक जगह से गिरफ्तार किया गया, जो उनके अधिकारों का उल्लंघन है। अल्जीरिया ने फ्रांस के राजदूत स्टीफन रोमाटे को बुलाकर कड़ा विरोध जताया और अपने नागरिकों को तुरंत रिहा करने की मांग की।

ईरान में 8 पाकिस्तानी मजदूरों की गोली मारकर हत्या ; बलूच नेशनलिस्ट आर्मी ने जिम्मेदारी ली

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में आठ पाकिस्तानी प्रवासी मजदूरों की हत्या के मामले में पाकिस्तान ने ईरान से जांच की मांग की है। यह घटना शनिवार को पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की सीमा के हुई। ईरानी मीडिया के मुताबिक, सभी आठ मजदूर पाकिस्तान के पंजाब से थे और वहां मैकेनिक का काम करते थे। हमलावरों ने उन्हें बांधकर गोली मार दी। इस हमले की जिम्मेदारी बलूच नेशनलिस्ट आर्मी नाम के एक छोटे संगठन ने ली है। इस हमले की पाकिस्तान और ईरान दोनों ने निंदा की है। पाकिस्तान में ईरानी राजदूत रेजा अमीरी मोघादम ने कहा कि आतंकवाद पूरे इलाके के लिए एक साझा खतरा है।

बांग्लादेश में मॉडल मेघना आलम गिरफ्तार सऊदी के राजदूत को ब्लैकमेल करने का आरोप

ढाकाख, एजेंसी। बांग्लादेशी मॉडल और एक्ट्रेस मेघना आलम को गिरफ्तार किया गया है. स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, आलम को देश के कड़े विशेष अधिकार अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया है. सऊदी अरब के साथ बांग्लादेश के संबंधों को खराब करने की कथित कोशिश के लिए उनको जेल में डाल दिया गया है. उनकी गिरफ्तारी के बाद फैंस में नाराजगी है. बताया जा रहा है कि बांग्लादेश पुलिस की एक स्पेशल यूनिट, डिटेक्टिव ब्रांच (डीबी) ने पिछले बुधवार की देर रात उनके घर पर छापा मारा. इसके बाद उन्हें हिरासत में ले लिया. वह फेसबुक पर लाइवस्ट्रीमिंग कर रही थीं और अपनी बेगुनाही का दावा कर रही थीं.

ढाका पुलिस ने 9 अप्रैल की रात को उनके घर पर छापेमारी के बाद गिरफ्तार किया है। उन पर सऊदी अरब के साथ बांग्लादेश के कूटनीतिक संबंधों को खतरे में डालने का आरोप लगाया गया है। मेघना 2020 में मिस अर्थ बांग्लादेश का खिताब जीत चुकी हैं। उनको विशेष अधिकार अधिनियम (स्पेशल पावर्स एक्ट), 1974 के तहत हिरासत में लिया गया है। पुलिस के अनुसार, मेघना ने एक सऊदी राजनयिक के खिलाफ सोशल मीडिया पर झूठी जानकारी फैलाई, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच संबंधों को नुकसान पहुंचाना था। गिरफ्तारी से पहले मेघना ने फेसबुक लाइव के जरिए दावा किया था कि कुछ लोग, जो खुद को पुलिसकर्मी बता रहे थे, उनके घर में जबरदस्ती घुसने की कोशिश कर रहे थे। इस 12 मिनट के वीडियो में वह अधिकारियों से सहयोग करने की बात कहती दिखीं, लेकिन बाद में यह वीडियो हटा लिया गया। मेघना के पिता, बदरूल आलम ने दावा किया कि उनकी बेटी का एक सऊदी राजनयिक के साथ संबंध था, जिसने शादी का प्रस्ताव रखा था। बदरूल के अनुसार, मेघना ने यह प्रस्ताव ठुकरा दिया क्योंकि राजनयिक पहले से शादीशुदा है और उसके बच्चे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बाद राजनयिक ने बांग्लादेशी अधिकारियों की मदद से मेघना को चुप कराने की कोशिश की। इस गिरफ्तारी ने बांग्लादेश में विवाद खड़ा कर दिया है। मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल ने इसे निंदनीय बताते हुए मेघना को या तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्य अपराध में आरोपित करने या रिहा करने की मांग की है। बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के कानून सलाहकार असिफ नजरूल ने भी स्वीकार किया कि विशेष अधिकार अधिनियम के तहत मेघना की गिरफ्तारी उचित नहीं थी। उच्च न्यायालय ने सरकार से दो सप्ताह में जवाब मांगा है कि मेघना की गिरफ्तारी को अवैध क्यों न घोषित किया जाए। मेघना को ढाका की काशीमपुर जेल में 30 दिनों की हिरासत में भेजा गया है। इस मामले ने बांग्लादेश में कानून के दुरुपयोग और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सवाल उठाए हैं। सऊदी अरब बांग्लादेश का एक महत्वपूर्ण सहयोगी है, जो वित्तीय और मानवीय सहायता प्रदान करता है। 2022 की सऊदी जनगणना के अनुसार, वहां 21.6 लाख बांग्लादेशी कामगार हैं, जो वहां की सबसे बड़ी विदेशी राष्ट्रीयता है। ऐसे में इस घटना ने दोनों देशों के बीच तनाव की आशंका पैदा की है। पुलिस ने ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया बदरूल आलम ने कहा कि, राजदूत और मेघना के बीच संबंध थे और मेरी बेटी ने उनके साथ शादी करने से मना कर दिया, क्योंकि वे पहले से ही शादी-शुदा हैं और उनके बच्चे भी हैं। वहीं, पुलिस का आरोप है कि मेघना आलम ने राजदूत इस्सा आलम को ब्लैकमेल कर 5 मिलियन डॉलर (करीब 43 करोड़) रुपए लूटने की कोशिश की थी। हाल ही में मेघना ने फेसबुक पर दावा किया था कि राजदूत इस्सा गैर इस्लामिक कामों में लिप्त हैं।

हालांकि, वे क्या काम कर रहे थे, इस बारे में मेघना ने नहीं बताया। मेघना आलम ने यह भी दावा किया था कि इस्सा यूसुफ पुलिस के जरिए डरा रहे हैं, ताकि वे सोशल मीडिया पर सच्चाई पोस्ट न करें। फेसबुक लाइव के दौरान हुई गिरफ्तारी अपनी गिरफ्तारी से पहले आलम ने फेसबुक पर लाइव स्ट्रीम कर रही थी। तभी बांग्लादेश पुलिस की विशेष जासूसी शाखा, डीबी पुलिस ने उनके घर में घुस कर गिरफ्तार कर लिया। आलम की गिरफ्तारी बांग्लादेश के स्पेशल पावर एक्ट के तहत की गई है। यह एक्ट आरोपी को अनिश्चित काल तक हिरासत में रखने की अनुमति देता है। बांग्लादेश में इस कानून को तानाशाही कानून कहा जाता है। इस घटना ने बांग्लादेश में मानवाधिकारों की स्थिति पर भी सवाल खड़े किए हैं। हालांकि बांग्लादेश सरकार के कानूनी सलाहकार आसिफ नरुल ने भी कहा कि गिरफ्तारी सही नहीं है।

नागरिकता के लिए साक्षात्कार देने पहुंचा फलस्तीनी छात्र गिरफ्तार, गाजा के समर्थन में आवाज उठाना पड़ा भारी

बोगोटा, एजेंसी। गाजा के समर्थन में आवाज उठाना एक फलस्तीनी छात्र को भारी पड़ गया। कोलंबिया विवि का फलस्तीनी छात्र जब अमेरिकी नागरिकता के लिए साक्षात्कार देने वर्मोंट के आव्रजन कार्यालय में पहुंचा, तो उसे गिरफ्तार कर लिया गया। छात्र के वकीलों ने बताया कि मोहसेन महदावी अमेरिका का एक कानूनी स्थायी निवासी है। उसके पास 2015 से ग्रीन कार्ड है। उसे आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन एजेंटों ने कोलचेस्टर में अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा कार्यालय से गिरफ्तार कर लिया। वकीलों ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि वह कहां है? हमने संघीय अदालत में एक याचिका दायर की जिसमें सरकार को उसे राज्य या देश से निकालने से रोकने का आदेश मांगा गया है। वकील लूना ड्रोबी ने कहा कि ट्रंप प्रशासन ने मोहसेन महदावी को फलस्तीनियों की ओर से उनकी वकालत और एक फलस्तीनी के रूप में उनकी पहचान के कारण हिरासत में लिया। यह गाजा में अत्याचारों के खिलाफ बोलने वालों को चुप कराने का एक प्रयास है। यह असांविधानिक भी है। अदालत में दायर याचिका में बताया गया है कि महदावी का जन्म वेस्ट बैंक के एक शरणार्थी शिविर में हुआ था और वह 2014 में संयुक्त राज्य अमेरिका आ गए थे। उन्होंने हाल ही में कोलंबिया में कोर्सवर्क पूरा किया। वह मई में स्नातक की उपाधि और फिर सर्दियों में मास्टर डिग्री कार्यक्रम शुरू करेंगे। वह प्रतिबद्ध बौद्ध है, जो अहिंसा और सहानुभूति को अपने धर्म के केंद्रीय सिद्धांत के रूप में मानते हैं। याचिका में बताया गया कि महदावी गाजा में इजरायल के सैन्य अभियान के मुखर आलोचक हैं और मार्च 2024 तक कोलंबिया विवि में कैंपस विरोध प्रदर्शन आयोजित करते रहे। उन्होंने कोलंबिया में फलस्तीनी छात्र संघ की सह-स्थापना महमूद खलील के साथ की।

पहले कार्यकारी आदेश पर अमल-दक्षिणी सीमा पर आपातकाल लगा सकते हैं ट्रंप, 20 अप्रैल को हो सकती है सेना की तैनाती

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण को 20 अप्रैल को 90 दिन पूरे होने वाले हैं। इसके साथ ही ट्रंप के पहले कार्यकारी आदेश पर अमल करने की तैयारी शुरू हो गई है। दक्षिणी सीमा पर आपातकाल लागू करने के कार्यकारी आदेश को भी 20 अप्रैल को लागू किया जा सकता है। बताया जा रहा है कि ट्रंप आदेश के तहत सेना की तैनाती कर सकते हैं। राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद ट्रंप ने अमेरिका की दक्षिणी सीमा पर आपातकाल लगाने के कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। इस आदेश में प्रावधान था कि घोषणा की तिथि से 90 दिनों के भीतर, रक्षा सचिव और गृह सुरक्षा सचिव संयुक्त राज्य अमेरिका की दक्षिणी सीमा की स्थितियों के बारे में राष्ट्रपति को रिपोर्ट सौंपेंगे। साथ ही अतिरिक्त कार्रवाई की सिफारिशें करेंगे। इसके तहत 1807 के विद्रोह अधिनियम को भी लागू किया जा सकता है। कार्यकारी आदेश के 90 दिन पूरे होने में एक सप्ताह से कम समय बचा है। इसलिए माना जाने लगा है कि ट्रंप वास्तव में विद्रोह अधिनियम लागू करेंगे और 20 अप्रैल को दक्षिणी सीमा पर सेना तैनात करेंगे। हालांकि अब तक रक्षा सचिव और होमलैंड सुरक्षा सचिव ने अमेरिकी राष्ट्रपति को अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की है। उन्हें मिशन की अब तक की उपलब्धियों के बारे में जानकारी नहीं दी है। इसके चलते लोगों को लग रहा है।

दुनिया के मुसलमान एकजुट हों, पाक संसद में फिलिस्तीन पर प्रस्ताव

इस्लामाबादख, एजेंसी। फिलिस्तीन के गाजा पट्टी में इजरायल के हमलों को लेकर पाकिस्तान की संसद में प्रस्ताव पारित हुआ। सोमवार को नेशनल असेंबली में सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित हुई, जिसमें इजरायल के हमलों की निंदा की गई। इसके अलावा कश्मीर का जिक्र भी डिबेट के दौरान हुआ। सांसद साहिबजादा मोहम्मद हामिद रजा ने कहा कि मुसलमान कौम के लिए दो मसले हैं, जो चिंताजनक हैं- फिलिस्तीन और कश्मीर। यही नहीं पाकिस्तानी संसद में हामिद रजा ने कहा कि जितना इजरायल इस हमले का दोषी है, उतने ही गुनहगार वे मुसलमान देश भी हैं, जो इस पर चुप हैं। उन्होंने कहा कि अक्टूबर 2023 से शुरू होने वाला इजरायल का नरसंहार तो होलोकास्ट से भी 10 गुना बड़ा अत्याचार हैं।

इस दौरान मुफ्ती तकी उस्मानी ने मुस्लिम देशों से इजराइल का पूर्ण बहिष्कार करने का आह्वान किया। इजराइल विरोधी प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान के कई शहरों में कई अमेरिकी 'फास्ट-फूड' रेस्तरां पर हमले किए थे, जिसके बाद मौलवी ने इस बात पर जोर दिया कि विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्ण होना चाहिए। कानून मंत्री आजम नजीर तरार द्वारा संसद के निचले सदन नेशनल असेंबली में पेश किए गए प्रस्ताव को सभी राजनीतिक दलों का समर्थन मिला। प्रस्ताव में घरों, अस्पतालों, विद्यालयों और इबादत स्थलों सहित नागरिक बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाने की कड़ी निंदा की गई। प्रस्ताव में इजराइली बमबारी को बर्बर करार दिया गया। इस मौके पर पाकिस्तानी संसद के सदस्यों ने कहा कि जिस तरह से फिलिस्तीन पर अटैक हो रहे हैं, वह हमारे लिए डूब मरने वाली बात है। प्रस्ताव में आरोप लगाया

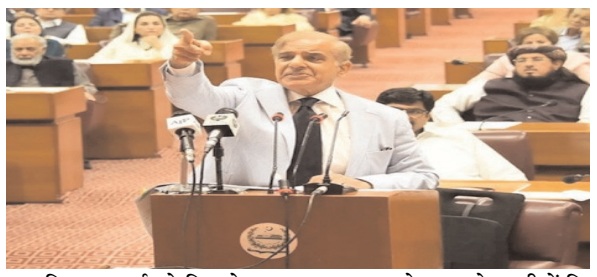

गया कि 18 मार्च को फिर से शुरू हुए इजराइली हमले में 1,600 निर्दोष फलस्तीनी मारे गए, जिससे गाजा में मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 65,000 से अधिक हो गई है। सांसद हामिद रजा ने कहा कि सारे मुस्लिम देशों को एकजुट होना चाहिए। तभी यह मसला हल हो सकेगा। उन्होंने कहा कि इस्लाम में उम्मा की एक अवधारणा है। लेकिन हम तो उस पर अमल ही नहीं कर रहे। उन्होंने मांग की कि पाकिस्तान में इस्लामिक सहयोग संगठन की मीटिंग बुलाई जाए। मुस्लिम देश इजरायल को साफ चेतावनी दें कि गाजा में अत्याचार रुके और यदि ऐसा नहीं हुआ तो फिर पूरी दुनिया में जिहाद की घोषणा की जाए। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया के मुसलमान देश मिलकर जिहाद का ऐलान करें।

फिलिस्तीन और कश्मीर दो एजेंडे, जिन पर हम पीछे ही हटे

सांसद अब्दुल कादिर पटेल ने कहा कि कश्मीर और फिलिस्तीन दो एजेंडे हैं, जिस पर हमारे बुजुर्गों ने भी साफ स्टैंड लिया था। आज बदकिस्मती से ऐसी स्थिति है कि हम कश्मीर और फिलिस्तीन दोनों पर ही पीछे हट रहे हैं। सांसद ने कहा कि हम सभी एक दिन कब्र में जाना है। हमसे सवाल पूछा जाएगा कि जब कत्लेआम हो रहा था तो तुम लोग कहां थे। सांसदों ने यह भी अपील की कि हमारे पीएम को गाजा जाना चाहिए। उन्हें बेलारूस जैसे देशों का दौरा करने की बजाय फिलिस्तीन जाना चाहिए।

वहां का बच्चा-बच्चा और बुजुर्ग, औरतें सब पाकिस्तान की ओर देख रहे हैं। वे जानना चाहते हैं कि आखिर उनके बचाव के लिए हम क्या कर रहे हैं। एक सांसद ने तो यहां तक कहा कि कुल 80 लाख यहूदी हैं और इतने तो हमारे यहां मौलवी हैं। क्या उनकी दुआ कबूल नहीं हो रही है। यदि हर मौलवी की ही दुआ कबूल हो जाए तो इजरायल खत्म हो जाएगा। उन्होंने इस दौरान एक शेर भी पढ़ा- कब अश्क बहाने से कटी है शब-ए-हिज्र, कब कोई बला सिर्फ दुआओं से टली है।

डीआरसी की राजधानी में भारी बारिश से 70 से अधिक लोगों की मौत

किंशासा एजेंसी। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) के कई हिस्सों में भारी बारिश और बाढ़ ने तबाही मचा दी है। देश की राजधानी किंशासा सबसे ज्यादा प्रभावित हुई है, यह जानकारी स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी। ताजा जानकारी के अनुसार, किंशासा के 11 स्वास्थ्य क्षेत्रों में नुकसान हुआ है। वहां 5,000 से ज़्यादा लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हो गए हैं। अब तक कम से कम 72 लोगों की जान जा चुकी है और 170 से अधिक लोग घायल हुए हैं। यह सब तेज बारिश और बाढ़ की वजह से हुआ।

देश के पूर्वी हिस्से में स्थित तांगान्यीका और साउथ किवू प्रांतों में भी भारी नुकसान हुआ है। वहां की स्थानीय सरकार जरूरतमंदों की मदद का पूरा आकलन करने में लगी हुई हैं। किंशासा स्टेडियमों में आपातकालीन राहत केंद्र और आश्रय स्थलों की व्यवस्था की गई है। हालांकि, देश के सबसे बड़े खेल स्टेडियम स्टेड दे मार्त्यर में पहले ही 4,500 से ज़्यादा लोग पहुंच चुके हैं। इसलिए सरकार अब लोगों को दूसरे स्थानों पर भेजने की योजना बना रही है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि वह स्वास्थ्य और राहत कार्यों के बीच बेहतर तालमेल बनाए रखने के लिए पूरी तरह से तैयार है, ताकि जरूरतमंदों को जल्दी और सही तरीके से मदद मिल सके। आने वाले दिनों में और भारी बारिश होने की संभावना है, जिससे 1.7 करोड़ की आबादी वाले इस शहर में और ज़्यादा तबाही का डर है। यह शहर पहले से ही तेज और बिना योजना के फैलते शहरीकरण की वजह से मुश्किलों में है। यह ध्यान देना जरूरी है कि डीआरसी में आमतौर पर बारिश का मौसम नवंबर से मई तक चलता है।

वहीं, 12 अप्रैल को संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने बेहद संवेदनशील आंकड़ा जारी किया था। अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी के मुताबिक ईस्टर्न डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में जारी संघर्ष ने बच्चों को काफी नुकसान पहुंचाया है। जनवरी और फरवरी महीने में ही हर 30 मिनट में एक बच्चे का रेप हुआ। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, यूनिसेफ ने बताया कि जनवरी और फरवरी में दुष्कर्म और यौन हिंसा के करीब 10,000 मामलों में से 35 से 45 प्रतिशत पीड़ित बच्चे थे। यूनिसेफ के प्रवक्ता जेम्स एल्डर ने जिनेवा में बताया कि इस साल जब डीआरसी के पूर्वी हिस्से में लड़ाई सबसे ज्यादा तेज थी, तब हर आधे घंटे में एक बच्चे का रेप हुआ।

नासा के अधिकारी-कर्मचारियों को भी नहीं बख्श रहे ट्रंप, अब भारतीय मूल की डीईआई प्रमुख को किया बर्खास्त

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बड़े पैमाने पर संघीय कर्मचारियों की छंटनी कर रहे हैं। अब ट्रंप ने नासा के अधिकारियों और कर्मचारियों की बर्खास्तगी का आदेश जारी किया है। इसके बाद नासा ने भारतीय मूल की विविधता, समानता और समावेशन (डीईआई) प्रमुख नीला राजेंद्र को बर्खास्त कर दिया। पहले ट्रंप के आदेश के बाद नासा ने नीला राजेंद्र का पदनाम बदलकर टीम एक्सीलेंस और कर्मचारी सफलता के कार्यालय का प्रमुख कर दिया था, लेकिन अंतत- उनको नौकरी से हाथ धोना पड़ा। पिछले सप्ताह नासा की जेट प्रोपल्शन प्रयोगशाला ने ईमेल जारी किया। इसमें प्रयोगशाला में काम करने वाले कर्मचारियों को नीला राजेंद्र को बाहर निकालने की सूचना दी गई। नासा के जेपीएल के निदेशक लॉरी लेशिन की ओर से भेजे गए ईमेल में लिखा गया कि नीला राजेंद्र अब जेट प्रोपल्शन प्रयोगशाला में काम नहीं कर रही हैं। हम उनके संगठन में किए गए स्थायी प्रभाव के लिए बेहद आभारी हैं। हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं। इससे पहले नीला राजेंद्र नासा के विविधता विभाग की प्रमुख थीं। जिसे मार्च में डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकारी आदेश के बाद बंद कर दिया गया। ट्रंप के आदेश के बाद नासा ने नया विभाग बनाते हुए 10 मार्च को एक ईमेल जारी किया था। इसमें नासा के कर्मचारियों को बताया गया था कि नीला राजेंद्र अब

टीम उत्कृष्टता और कर्मचारी सफलता कार्यालय की प्रमुख होंगी। नई भूमिका संभालने के बाद राजेंद्र ने लिंक्डइन पर लिखा था कि नासा में नवगठित कार्यालय के प्रमुख के रूप में उनका काम मुख्य रूप से एक साथ महान कार्य करने की हमारी क्षमता को उजागर करना है। मगर अप्रैल की शुरुआत में ट्रंप की सख्त कार्रवाई के बाद नीला राजेंद्र को बर्खास्त कर दिया गया। ट्रंप ने सरकारी एजेंसियों में चल रहे विविधता कार्यक्रमों को बंद कर दिया है। कार्यकारी आदेश में कहा गया है कि ऐसे कार्यक्रमों ने अमेरिकियों को नस्ल, रंग और लिंग के आधार पर बांटा है। करदाताओं के पैसे बर्बाद किए हैं और शर्मनाक भेदभाव को जन्म दिया है। नीला राजेंद्र कई वर्षों तक नासा में नेतृत्वकारी भूमिका में रहीं। वे नासा में विविधता लाने के प्रयासों की प्रभारी थीं।

केंद्रीय मंत्री अठावले संयुक्त राष्ट्र में बोले- डॉ. आंबेडकर की वकालत भारत की सीमाओं से भी कहीं आगे

वाशिंगटन, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने संयुक्त राष्ट्र में बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर को नमन किया। डॉ. आंबेडकर की 134वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि उनकी वकालत भारत की सीमाओं से कहीं आगे तक गूंजती है। जो उन्हें आधुनिक मानवाधिकार आंदोलन का प्रतीक बनाती है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री डॉ. रामदास अठावले ने कहा कि डॉ. बीआर आंबेडकर ने समानता, प्रतिनिधित्व और मानवाधिकार जैसे सिद्धांतों के लिए लड़ाई लड़ी थी, वे 2030 के सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामूहिक प्रयासों में अधिक प्रासंगिक हैं। डॉ. आंबेडकर का जीवन भारतीय इतिहास का एक अध्याय मात्र नहीं है। यह पूरी मानवता के लिए एक प्रकाश स्तंभ है। वे जाति, गरीबी और औपनिवेशिक उत्पीड़न द्वारा लगाए गए हर अवरोध को पार कर समानता, सम्मान और लोकतंत्र के लिए एक वैश्विक वकील बने।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हम संयुक्त राष्ट्र के बैनर तले यहां एकत्र हुए हैं। डॉ. आंबेडकर का जीवन समाज के हर स्तर पर बदलाव की प्रेरणा देता है। उनकी विरासत के संरक्षक के रूप में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने निर्णायक और व्यवस्थित कदम उठाए हैं। मंत्रालय ने हाशिए पर पड़े समुदायों, विशेष रूप से अनुसूचित जातियों, अन्य पिछड़े वर्गों, वरिष्ठ नागरिकों, ट्रांसजेंडर व्यक्तियों और विकलांग

व्यक्तियों के उत्थान के उद्देश्य से कार्यक्रमों और नीतियों को लागू किया है। उन्होंने मंत्रालय की योजनाओं की भी जानकारी दी। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पी हरीश ने कहा कि डॉ. आंबेडकर लोकतंत्र को एक जीवन पद्धति के रूप में देखते थे, जिसके संस्थागत तंत्र और स्तंभ अपने आप में साध्य नहीं थे, बल्कि भारतीय संविधान की सांविधानिक नैतिकता को लागू करने का साधन थे। न्यूयॉर्क शहर के मेयर के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के कार्यालय के डिप्टी कमिश्नर दिलीप चौहान ने कहा कि डॉ. आंबेडकर के आदर्श सीमाओं और समय से परे हैं। उन्होंने हमें दिखाया कि समावेश एक एहसान नहीं बल्कि एक मौलिक अधिकार है। उन्होंने हमें अन्याय का सामना चुप्पी से नहीं बल्कि एकजुटता से करना सिखाया। उनकी विरासत हमें संस्कृतियों के बीच पुल बनाने, उत्पीड़ितों की आवाज़ को बुलंद करने और असमानता को बनाए रखने वाली प्रणालियों को चुनौती देने के लिए मजबूर करती है, चाहे वे कहीं भी हों। उन्होंने एलान किया कि न्यूयॉर्क शहर के मेयर एरिक एडम्स ने 14 अप्रैल 2025 को न्यूयॉर्क शहर में डॉ. बीआर आंबेडकर दिवस के रूप में घोषित किया है। शहर के 8.5 मिलियन निवासी इस दिवस को मनाएंगे। फाउंडेशन फॉर ह्यूमन होराइजन के अध्यक्ष दिलीप म्हास्के ने कहा कि यह घोषणा लोकतंत्र, सम्मान, महिला सशक्तीकरण और ऐतिहासिक रूप से हाशिये पर पड़े समुदायों के लिए न्याय को आगे बढ़ाने में डॉ आंबेडकर की महान विरासत को स्वीकार करती है। हार्वर्ड डिविनिटी स्कूल के विजिटिंग प्रोफेसर डॉ. संतोष राउत ने कहा कि आज दुनिया के लिए डॉ. आंबेडकर का संदेश चार गुना होगा - लोकतंत्र, गहन सद्भाव, उत्पीड़न, भेदभाव और शांति।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राज्य भर के सभी पुलिस स्टेशनों में चल रही गतिविधियों पर निगरानी रखने के लिए

गुजरात हाईकोर्ट के आदेश के बाद सभी पुलिस स्टेशनों में हाईटेक सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे

लोकअप, एंट्री-एग्जिट, PI-PSI चेंबर सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थानों

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात में वर्तमान में 650 पुलिस स्टेशन हैं। राज्य भर के सभी पुलिस स्टेशनों में चल रही गतिविधियों पर निगरानी रखने के लिए, गुजरात हाईकोर्ट के आदेश के बाद सभी पुलिस स्टेशनों में हाईटेक सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। इससे पहले, 12 दिसंबर 2020 को सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण आदेश में कहा था कि पुलिस स्टेशन के सभी एंट्री और एग्जिट प्वाइंट्स, लोकअप, कॉरिडोर, लॉबी, रिसेप्शन एरिया, सब इंस्पेक्टर और इंस्पेक्टर के कमरे, पुलिस स्टेशन के बाहर, वॉशरूम के बाहर भी सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने चाहिए। इतना ही नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा था कि इन सीसीटीवी कैमरों का रिकॉर्डिंग 18 महीने यानी डेढ़ साल तक सुरक्षित रखना होगा। पुलिस द्वारा पीड़ितों की शिकायत न लेना, इसके अलावा कस्टोडियल डेथ की भी कई शिकायतें सामने आई थीं। पुलिस स्टेशन में सीसीटीवी न होने के कारण कस्टोडियल डेथ की जानकारी नहीं मिल पाती थी, लेकिन अब सीसीटीवी कैमरे लगाने के कारण यह पता चल सकेगा कि आरोपी की मौत कैसे हुई। इसके अलावा पुलिस स्टेशन में चल रही सभी गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। आइए जानते हैं चार महानगरों में कहां-कहां कितने सीसीटीवी लगाए गए हैं।

सूरत शहर के पुलिस कमिश्नर अनुपम सिंह गेहलोत ने बताया कि सूरत शहर के सभी 40 पुलिस स्टेशनों और SOG और PCB कार्यालयों में CCTV कैमरे लगाए गए हैं। प्रत्येक पुलिस स्टेशन में औसतन 19 से 20 CCTV कैमरे लगाए गए हैं। सभी कैमरे HD गुणवत्ता वाले हैं। कुल मिलाकर 440 डोम कैमरे और 194 बुलेट कैमरे मिलाकर कुल 670 कैमरे लगाए गए हैं।

पुलिस स्टेशनों के प्रवेश द्वार और बाहर निकलने वाले रास्तों पर भी कैमरे लगाए गए हैं। इतना ही नहीं, कई बार लोकअप में कस्टोडियल टॉर्चर के आरोप सामने आते हैं, इसलिए लोकअप के अंदर भी CCTV कैमरे लगाए गए हैं, ताकि ऐसी शिकायतों के मामले में CCTV फुटेज के आधार पर प्रमाण प्रदान किया जा सके।

बल्गेरियाई युवती दुष्कर्म मामले में भी हाईकोर्ट ने CCTV फुटेज को संरक्षित रखने का आदेश दिया था। उल्लेखनीय है कि जब युवती ने गुजरात हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, तो उसने वसत्रापुर महिला पुलिस थाने के 10 अप्रैल से 20 अप्रैल तक के CCTV फुटेज को संरक्षित रखने का अनुरोध किया था। इसके लिए परमवीर सिंह के मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए निर्देशों का हवाला दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट के अनुसार, पुलिस स्टेशन के CCTV फुटेज को एक वर्ष तक संरक्षित रखना आवश्यक है।

हाईकोर्ट ने भी पीड़िता के पक्ष में निर्णय देते हुए सरकार को महिला पुलिस स्टेशन के CCTV फुटेज को संरक्षित रखने का आदेश दिया था। हालांकि, सरकार ने अदालत में यह बताया कि जब पीड़िता महिला पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करने आई थी, तब CCTV फुटेज को संरक्षित रखने के लिए कोई आवेदन नहीं किया गया था। इसके अलावा, वसत्रापुर महिला पुलिस थाने में CCTV स्टोरेज केवल एक महीने के लिए है, जिसके बाद पुराने फुटेज ओवरराइट हो जाते हैं और नया रेकॉर्डिंग होता है।

पुलिसकर्मी ने युवती को कंधे पर उठाकर कीचड़ और कीचड़ में चलकर अस्पताल पहुंचाया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सारोली क्षेत्र में एक खेत में रहने वाली युवती ने जहरीला पदार्थ पी लिया था। इस घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मी ने युवती को कंधे पर उठाकर पुलिसवाले तक और फिर अस्पताल तक पहुंचाया। खेत के जिस कमरे में युवती ने जहर पिया था, वहां तक पुलिस या एंबुलेंस नहीं पहुंच सकती थी, इसलिए पुलिसकर्मी ने युवती को कंधे पर उठाकर कीचड़ से भरे खेत में दौड़ते हुए अस्पताल तक पहुंचाया।

युवती को समय पर इलाज मिल सके और वह बेहोश न हो जाए, इसके लिए रास्ते में पुलिसकर्मी लगातार उससे बात करते रहे। युवती को तात्कालिक इलाज मिलने से उसकी जान बच गई। पुलिस कांस्टेबल अजमलभाई वर्दाजी की इस सराहनीय कार्रवाई को सूरत के उच्च पुलिस अधिकारियों ने सराहा।

15 अप्रैल को शाम 5:03 बजे सूरत पुलिस कंट्रोल रूम से एक आपातकालीन संदेश प्राप्त हुआ कि सारोली क्षेत्र स्थित पूजा प्लाजा के सामने, विट्राग लोन के पास एक खेत में एक युवती ने जहरीला पदार्थ पी लिया है। इस संदेश के प्राप्त होते ही पी.सी.आर. वैन-66 के इंचार्ज, अ.हे.को. अजमलभाई वर्दाजी तुरंत घटना स्थल पर पहुंचे।

खेत में जहर पीने के बाद वाहन नहीं पहुंच पाया, जहर का असर न हो इसके लिए लगातार बात करके पुलिसकर्मी ने जीवन बचाया।

घटनास्थल ऐसा था, जहां किसी भी प्रकार का वाहन, पीसीआर वैन, एम्बुलेंस नहीं पहुँच सकती थी। ज़मीन पर भारी कीचड़ और कीचड़ था, फिर भी कांस्टेबल अजमलभाई ने बिना समय गँवाए खेत में उतरकर जांच शुरू की। कुछ ही समय में एक झोपड़ी जैसे स्थान पर अचेत अवस्था में युवती मिल गई। उसने ज़हरीला पदार्थ पी लिया था और यदि समय पर इलाज नहीं मिलता, तो उसकी मौत भी हो सकती थी। इसलिए एक भी पल गंवाए बिना हेड कांस्टेबल अजमलभाई ने तुरंत महिला को अपने कंधे पर उठाया और कीचड़ और खराब रास्ते से पैदल बाहर निकाले। गेट बंद था, तो उन्होंने एक छोटी दीवार पर चढ़कर महिला को बाहर निकाला।

घटनास्थल पर 108 एम्बुलेंस पहुंचने से पहले, अजमलभाई ने महिला को सीधे पीसीआर वैन में बैठाया और शायोना प्लाज़ा की तरफ रवाना हो गए। रास्ते में एम्बुलेंस आ जाने के बाद, महिला को वहां से शिफ्ट करके तात्कालिक रूप से स्मीमरे अस्पताल ले जाया गया।

ज़हर का असर न हो, इसके लिए रास्ते में अजमलभाई लगातार महिला से बात करते रहे, ताकि वह बेहोश न हो जाए और उसका मनोबल न टूटे। उनके मानवीय कार्य ने महिला की जान बचाई।

शराब-ड्रग्स और हिंसक घटनाओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर AAP ने पुलिस आयुक्त को आवेदन पत्र सौंपा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में दिन-ब-दिन बढ़ती आपराधिक गतिविधियाँ, कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति और खुलेआम शराब-ड्रग्स के कारोबार के खिलाफ अब आम आदमी पार्टी सक्रिय हो गई है। सूरत शहर इकाई द्वारा आज पुलिस आयुक्त को एक आवेदन पत्र सौंपा गया, जिसमें अहम मांगों के साथ आवाज उठाई गई। आप नेता गोपाल इटालिया ने स्पष्ट करते हुए कहा कि डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की 134वीं जयंती के दिन ही कापोदरा क्षेत्र में हुई एक हिंसक घटना ने पूरे शहर को हिला कर रख दिया है। ऐसा दुखद घटनाक्रम यह दर्शाता है कि सूरत में कानून-व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह से चरमरा गई है।

उन्होंने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा, "महात्मा गांधी के गुजरात में कथित शराबबंदी सिर्फ कानून की किताबों तक ही सीमित रह गई है। शहर के कई इलाकों में शराब और ड्रग्स आसानी से उपलब्ध हैं।" उन्होंने यह भी संदेह जताया कि इसके पीछे कुछ असामाजिक तत्वों का हाथ हो सकता है।

आम आदमी पार्टी द्वारा प्रस्तुत की गई मुख्य मांगों में कहा गया कि शराब और ड्रग्स के काले कारोबार को बंद किया जाए, हिंसक घटनाओं के आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, शराब के अड्डों के पीछे जो लोग संरक्षण दे रहे हैं उनके खिलाफ भी कार्रवाई हो, और हथियारों के लाइसेंस की भी जांच की जानी चाहिए।

लोग खुद को सुरक्षित महसूस करें, ऐसा माहौल बनाना जरूरी है।

आवेदन पत्र में कहा गया कि शहर के आम नागरिक असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। बच्चों और महिलाओं का बिना डर के सड़कों पर निकलना तो दूर, कई इलाकों में लोग अपराधियों के आतंक में जीने को मजबूर हैं। आम आदमी पार्टी ने सूरत के नागरिकों की आवाज बनकर पुलिस प्रशासन के समक्ष ये मुद्दे उठाए हैं। अब आराम करने का समय नहीं है। शराब, ड्रग्स और हिंसा के खिलाफ आम आदमी पार्टी नागरिकों के साथ मिलकर सशक्त लड़ाई लड़ेगी और जरूरत पड़ी तो इस मुद्दे पर औपचारिक रूप से भी लगातार आवाज उठाती रहेगी।

आरोपी लोगों के सामने हाथ जोड़कर खड़ा रहा और माफी मांगी, AAP नेता ने कमिश्नर को फांसी की मांग के साथ आवेदन पत्र सौंपा।

17 वर्षीय किशोर की हत्या करने वाले नशेड़ी का रीकंस्ट्रक्शन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के कापोदरा इलाके में 17 वर्षीय किशोर की सार्वजनिक रूप से हत्या किए जाने की घटना सामने आई है। प्रभु मद्रासी नामक युवक ने परेश वाघेला की हत्या कर दी, और फिर उसकी हत्या कर दी गई थी। किसी व्यक्तिगत दुश्मनी के बिना, सिर्फ शराब पीने के लिए पैसे न होने के कारण प्रभु मद्रासी नामक नशेड़ी ने परेश वाघेला से रुपये की मांग की थी। जब उसने रुपये नहीं दिए, तो उग्र होकर आरोपी ने युवक पर चप्पू से कई वार करके उसकी हत्या कर दी थी। आज

जिससे पूरे शहर में शोक की लहर दौड़ गई थी। आज कापोदरा पुलिस द्वारा आरोपी का रीकंस्ट्रक्शन किया गया, हालांकि किशोर के माता-पिता और समाज द्वारा आरोपी को फांसी की सजा देने की मांग करते हुए नारेबाजी की गई।

युवक से पहले पैसे मांगे गए थे पुलिस ने वही स्थान जहां युवक की हत्या हुई थी, वहां आरोपी को लेकर रीकंस्ट्रक्शन कराया और उसे सार्वजनिक रूप से लोगों के सामने लाकर माफी मंगवाई। उसे लोगों के सामने हाथ जोड़कर खड़ा किया गया। रीकंस्ट्रक्शन और पंचनामे की कार्रवाई की गई।

सोनगढ़ गांव में खनन विभाग की छापेमारी में 2.20 करोड़ रुपये का माल जब्त।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरेंद्रनगर जिले में खनन और खनिज विभाग की टीम द्वारा पिछले काफी समय से छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सोनगढ़ गांव में खनिज माफिया खुलेआम जमीन में कटिंग कर रहे थे। इस पर खनिज विभाग की टीम ने छापा मारकर 2800 मीट्रिक टन अवैध रूप से खनन किया गया कार्बोसेल जब्त किया, जिसकी कीमत करीब 2.20 करोड़ रुपये है। इसके अलावा चार अवैध ओपन कटिंग खदानें भी पकड़ी गईं। लगातार हो रही छापेमारी से खनिज माफियाओं में हड़कंप मच गया है।

सुरेंद्रनगर के सोनगढ़ गांव में खनन और खनिज विभाग ने कार्रवाई की। इस दौरान खनिज माफियाओं के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए चोटिला के प्रांत अधिकारी हरेश मकवाणा ने 2800 मीट्रिक टन अवैध कार्बोसेल जब्त किया, जिसकी बाजार कीमत लगभग 2.20 करोड़ रुपये आंकी गई है। खनिज माफिया जमीन में खुलेआम कटिंग कर रहे थे। साथ ही 4 अवैध ओपन कटिंग खदानें भी सामने आईं। इस कार्रवाई को लेकर यह सवाल भी उठे कि जो कार्य पुलिस और खनिज विभाग को करना चाहिए, वह कार्रवाई प्रांत अधिकारी द्वारा की जा रही है। लगातार हो रही छापेमारी से खनिज चोरों में भय का माहौल पैदा हो गया है।

महुवा तहसील के वाछावड़ गाँव के किसान प्रदीपभाई नेता ने सेवानिवृत्ति के बाद शुरू की प्राकृतिक खेती

सेवानिवृत्ति के बाद सक्रिय जीवन जीने में प्राकृतिक खेती बनी माध्यम

22 बीघा खेत में केसर आम सहित 40 प्रकार के फलदार पेड़, सब्जियाँ, अनाज और गन्ने से जैविक गुड़ का उत्पादन कर वार्षिक 10 लाख की आय प्राप्त कर रहे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

माहिती ब्यूरो, सूरत राज्य में प्राकृतिक खेती ने गति पकड़ी है। कई किसान इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। आज हम बात कर रहे हैं ऐसे एक किसान की, जिन्होंने ओएनजीसी में 35 वर्षों तक इंजीनियर के रूप में सेवा देने के बाद सेवानिवृत्ति के बाद प्राकृतिक खेती को अपनाकर एक नया अध्याय रचा है। इससे उनकी आमदनी भी बढ़ी है और स्वास्थ्य भी बेहतर हुआ है। साथ ही उन्होंने गाँव के 10 लोगों को रोजगार भी प्रदान किया है।

महुवा तहसील के वाछावड़ गाँव के प्रदीपभाई लालभाई नेता अपने 22 बीघा खेत में केसर आम के 600 से अधिक पेड़ों सहित सफेद जामुन, काले जामुन, लंबे चीकू, अंजीर, वेलवेट एप्पल, एप्पल बोर जैसे करीब 40 प्रकार के फलों के पेड़, सब्जियाँ, अनाज और गन्ने से जैविक गुड़ का उत्पादन कर 10 लाख सालाना आय अर्जित कर रहे हैं।

उन्होंने अपने दादाजी की देशी खेती पद्धति से प्रेरणा ली, जो गोबर आधारित खेती करते थे। अब उनके इस विरासत को आगे बढ़ाते हुए प्रदीपभाई ने रासायनिक खाद से मुक्त भूमि पर प्राकृतिक खेती शुरू की है। उन्होंने बताया कि गोबर आधारित खाद, जीवामृत, वर्मी कम्पोस्ट और जंगल मॉडल खेती के कारण भूमि और फसल की गुणवत्ता व उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। गन्ने में अब 30 दिन तक पानी देने की भी जरूरत नहीं रहती। उन्होंने कहा कि "भूमि की सेहत बनाए रखना ही दीर्घकालिक कृषि का असली विकास है।"

प्रदीपभाई ने बताया कि गोबर की खाद से भूमि नरम और उपजाऊ बनती है। साथ ही पौधों की छंटाई, सफाई और नियमित निराई-गुड़ाई करते हैं। यदि हम ज़मीन की देखभाल करेंगे, तो ज़मीन जीवन भर हमारी देखभाल करेगी।

सरकारी सहायता की बात करें तो उन्होंने ड्रिप सिंचाई योजना का लाभ लिया है, जिसमें 70 प्रतिशत सब्सिडी मिली है। एक हेक्टेयर ज़मीन में ड्रिप सिंचाई कर पानी की अधिकतम बचत हो रही है। सरकार से 4 हजार का वेट मशीन और ट्रैक्टर की खरीद पर 60,000 की सब्सिडी भी मिली है। सरकारी कृषि सहायता से उन्हें बड़ा सहारा मिला है और आत्मनिर्भरता की दिशा में बढ़ने का मार्ग मिला है।

इस प्रकार, प्रदीपभाई समझदारी से प्राकृतिक खेती कर रहे हैं और युवा किसानों को मार्गदर्शन भी दे रहे हैं। उनका मानना है कि खेती में रासायनिक और जहरीले रसायनों के कारण भूमि, फसल और पर्यावरण को जो नुकसान हो रहा है, उसे सुधारने और लोगों को निरोग व स्वस्थ जीवन देने के उद्देश्य से राज्य सरकार की प्राकृतिक खेती की पहल को सहयोग देना चाहिए और जल्द से जल्द इसे अपनाना चाहिए।

(विशेष लेख: मेहुल वांझवाला)